तापमान
अधिकतम 33 .7 डिग्री
न्यूनतम 24 .2 डिग्री

हरिभूमि
जीटी रोड भूमि

रोहतक, रविवार, 3 अगस्त , 2025

10 'एक पेड़ मां के नाम' के तहत छात्रों ने किया पौधरोपण

10 ग्रामीणों को किया डिजिटल अरेस्ट को लेकर जागरूक

खबर संक्षेप

एक किलोग्राम अफीम समेत तस्कर गिरफ्तार

अंबाला। बिहार से अफीम लेकर आए तस्कर शुगन कुमार को सीआईए और जीआरपी ने गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से चार लाख की एक किलो 845 ग्राम अफीम बरामद की गई। सीआईए के उप निरीक्षक परमजीत सिंह ने बताया कि उन्होंने सूचना मिलने पर एक व्यक्ति को पकड़ लिया। जब उसके सामान की तलाशी ली तो अफीम बरामद हुई।

सड़क पार करते समय महिला की मौत

शहजादपुर। राष्ट्रीय राजमार्ग 344 पर स्थित गांव कक्कड़ माजरा के पास सड़क पार करते समय दो महिलाएं गंभीर रूप से घायल हो गईं। एक तेजगति से आ रही कार ने दोनों को टक्कर मारी थी। घायल महिलाओं को सीएचसी शहजादपुर पहुंचाया। यहां चिकित्सकों ने रुबा नामक महिला को मृत घोषित दिया। दूसरी मुकेश नामक महिला को गंभीर हालत के चलते प्राथमिक उपचार के बाद अंबाला शहर भेज दिया गया। दोनों महिलाएं शहजादपुर के डेहा बस्ती की रहने वाली हैं ।

युवती ने घर पर फंदा लगाकर की खुदकुशी

यमुनानगर। गांव शादीपुर में एक युवती ने घर पर फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। गांव शादीपुर निवासी 18 वर्षीय करिश्मा शनिवार को घर पर अकेली थी। उनके परिवार के सदस्य किसी काम से बाहर गए थे। इस दौरान करिश्मा ने घर पर कमरे में फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। परिवार के सदस्य जब घर लौटे तो उन्हें करिश्मा का शव फंदे पर लटका मिला। सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को नीचे उतारा। बाद में पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर कार्रवाई शुरू कर दी।

जिम संचालक से फर्जी आईडी पर 85 हजार ठगे

समालखा। गांव करहंस निवासी जिम संचालक शमशेर से 85 हजार रुपये की ठगी कर ली गई। वहीं, 22 जुलाई को शमशेर के पास पिछले 5 साल से ऑस्ट्रेलिया में रह रहे मौसेरे भाई सतीश के नाम की फेसबुक आईडी से मैसेज आया। इसके बाद दोनों के बीच बातचीत शुरू हो गई। चैटिंग के दौरान फर्जी आईडी से ठग ने शमशेर से नगदी मांगी। उन्होंने ठग द्वारा भेजे गए क्यूआर कोड पर 85 हजार रुपए भेज दिए।

पानीपत के किसान को यूपी में गोली मारी

पानीपत। उत्तर प्रदेश के शामली जिला के गांव मामौर के खेतों में धान की कटाई के लिए गए पानीपत के गांव कुराड निवासी रोहित को बाइक सवार नकाबपोश बदमाशों ने गोली मार दी। जबकि रोहित के साथ पानीपत पुलिस द्वारा दिया गया पुलिस सुरक्षा कर्मी था, वहीं घटना के समय गनमैन रोहित से करीब पचास मीटर दूर था। इधर, घायल रोहित का निजी अस्पताल में उपचार चल रहा है।

मंत्री अनिल विज ने एयरपोर्ट का निरीक्षण किया, अधिकारियों को दी डेडलाइन

दस दिन में अंबाला के घरेलू हवाई अड्डे से यात्री विमान भरेंगे उड़ान

केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ दे चुके हैं उद्घाटन की मंजूरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

ऊर्जा एवं परिवहन मंत्री अनिल विज ने शनिवार को डॉमेस्टिक एयरपोर्ट का निरीक्षण किया। उन्होंने दोहराया कि केंद्रीय रक्षामंत्री राजनाथ सिंह एयरपोर्ट के उद्घाटन की मंजूरी दे चुके हैं।

- अब तारीख तय करने के लिए किया जा रहा है पत्राचार

अब तारीख तय करने के लिए उनसे पत्राचार किया गया है। उन्होंने कहा कि अगले दस दिन में इस एयरपोर्ट से यात्री विमान की सेवाएं शुरू हो जाएंगी। अंबाला छावनी के घरेलू हवाई अड्डे का निरीक्षण करने के बाद परिवहन मंत्री अनिल विज शनिवार को मीडिया से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने एयरपोर्ट के विभिन्न हिस्सों का जायजा लिया और फिनिशिंग कार्य को जल्द पूरा करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। गौरतलब है कि अनिल विज ने एक दिन पहले ही घोषणा की थी कि अंबाला एयरपोर्ट का शुभारंभ 15 अगस्त के आसपास कराया जाएगा। इसके लिए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से उद्घाटन के लिए अनुरोध किया गया है। उन्होंने इसके लिए मंजूरी दे दी है। नई तारीख तय करने को लेकर पत्राचार शुरू हो चुका है। पहले चरण में इस एयरपोर्ट से स्पाइसजेट, एयर इंडिया, गो एयर और जेट एयरवेज की उड़ानें अंबाला से श्रीनगर, वाराणसी, देहरादून, लखनऊ, जयपुर, अमृतसर, शिमला और दिल्ली के लिए उड़ान भरेंगी। विज व्यवस्थाओं को देखने एयरपोर्ट पहुंचे। इन्होंने अधिकारियों को जरूरी दिशा निर्देश दिए। साथ ही बढ़ रही घास को कटवाने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी कमियों को जल्द पूरा कर लें। आपके पास सिर्फ 10 दिनों का ही समय है। 10 दिनों में अपनी सभी व्यवस्थाओं को सुधार लीजिए।

अंबाला। एयरपोर्ट का मुआयना करते परिवहन मंत्री अनिल विज।

एयरपोर्ट की सभी तैयारियां पूरी हो चुकी : विज

विज ने बताया कि अंबाला छावनी में एयरपोर्ट की सभी तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। यहां नागरिक उड्डयन विभाग के अधिकारी और कर्मचारी तैनात कर दिए गए हैं और एयरपोर्ट अब उद्घाटन के लिए पूरी तरह तैयार है। बता दें कि दिसंबर 2018 में केंद्र सरकार की उड़ान 3.0 योजना के तहत सिविल एयरपोर्ट परियोजना को मंजूरी दी गई थी। जमीन संबंधी सभी जरूरतों को पूरा करने के बाद डोमेस्टिक एयरपोर्ट की आधारशिला अक्टूबर 2023 में रख दी गई थी। एयरफोर्स स्टेशन के पास लगती डेयरी फार्म की 20 एकड़ जमीन पर टर्मिनल तैयार किया गया है। यह जमीन रक्षा मंत्रालय से अब नागरिक उड्डयन विभाग के नाम स्थानांतरित की जा चुकी है। प्रदेश सरकार की तरफ से इसके 133 करोड़ रुपए रक्षा मंत्रालय को जारी किए हैं।

घरौंडा में युवक की हत्या एक आरोपी हिरासत में

- अनोखा कॉलोनी में देर रात की वारदात से फैली सनसनी
- पैसे को लेकर विवाद के चलते हत्या किए जाने की आशंका

हरिभूमि न्यूज ▶▶| घरौंडा

करनाल जिले के घरौंडा की अनोखा कॉलोनी, गली नंबर 2 में बीती रात उस समय दहशत फैल गई जब 28 वर्षीय युवक की बेरहमी से हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान गुरमीत के रूप में हुई है। इस हत्या के बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गई। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची।

जानकारी के अनुसार, मृतक गुरमीत की हत्या उसी कमरे में की गई, जहां से पुलिस ने एक आरोपी को मौके से हिरासत में लिया है। स्थानीय लोगों के अनुसार, आरोपी नशे का आदी और आपराधिक प्रवृत्ति का व्यक्ति है। देर रात झगड़े की आवाजें सुनाई दी थीं, जिसके बाद लोगों ने पुलिस और मृतक के परिजनों को सूचना दी। फॉरेंसिक विशेषज्ञों ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए और शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया गया।

गुरमीत के परिजनों ने पुलिस को बताया कि वह कल ही काम से लौटा था और उसके पास लगभग 20,000 की नकदी थी। हालांकि, वे यह नहीं बता सके कि गुरमीत अनोखा कॉलोनी कैसे और किसके साथ पहुंचा। यह भी संदेह जताया जा रहा है कि पैसे को लेकर ही विवाद हुआ हो सकता है।

मामले में जांच जारी

जांच अधिकारी उमेश कुमार ने बताया कि हत्या के मामले में जांच जारी है। घटनास्थल से एक संदिग्ध व्यक्ति को हिरासत में लिया गया है, जिससे पूछताछ की जा रही है। फिलहाल मृतक के परिजनों की ओर से औपचारिक शिकायत नहीं मिली है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस अब कॉलोनी में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने की तैयारी में है ताकि यह पता चल सके कि घटना से पहले और बाद में क्या गतिविधियां हुई थीं। परिजनों से भी विस्तृत बयान दर्ज किए जाएंगे।

रिफाइनरी में दहशत फैलाने वाले छह पकड़े

- पुलिस ने आरोपियों से बंदूक, पिस्तौल, कार बरामद की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

पानीपत पुलिस की सीआईए वन ने रिफाइनरी के मार्केटिंग परिसर में हथियारों से लैस होकर जबरन घूसने व कार्य में बाधा डालने के छह आरोपियों सोनीपत के बिचपड़ी गांव निवासी राजेंद्र व अंकित, गंगेसर गांव निवासी रमेश, बड़ौता गांव निवासी गोविंद, पानीपत के ददलाना गांव निवासी सोनू व करनाल के मुनक गांव निवासी दीपक को गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने आरोपियों से एक डोगा बंदूक, एक पिस्तौल व एक कार बरामद की है। डीएसपी सुरेश सैनी ने शनिवार को जिला सचिवालय स्थित पुलिस विभाग के सभागार में प्रेसवार्ता के दौरान बताया कि थाना सदर में रिफाइनरी के महाप्रबंधक की शिकायत पर केस दर्ज है। उन्होंने शिकायत में बताया था कि 31 जुलाई का सुबह चार गाड़ियों में सवार 20/25 युवक जो हथियारों से लैस थे रिफाइनरी के कोको गेट से जबरन अंदर घुस आए। इनमें दो स्कार्पियों, एक बेलेनो व एक सेडान गाड़ी थी। हथियारों सहित युवक चालकों के केबिन में आए। इसके बाद उनमें से पांच युवक ऑफिस में आए और खुद को टैंकर ड्राइवरों का प्रधिनिधित्व बता कहा गाड़ियां उनके हिसाब से चलेगी। जांच में पता चला कि आरोपी राजेंद्र, रिफाइनरी में तेल लेने आने वाले प्रति टैंकर चालक से 300 रूपए की अवैध वसूली करता था। अवैध वसूली अब बंद हो गई थी। ड्राइवरों से दौबारा अवैध वसूली शुरू करने के लिए उन्होंने गिरोह के साथी आरोपियों के साथ मिलकर हथियारों से लैस होकर दबाव बनाने के लिए 31 जुलाई को उक्त वारदात को अंजाम दिया।

सख्ती से निपटेंगे: एसपी

पुलिस अधीक्षक भूपेंद्र सिंह कड़े शब्दों में चेतावनी देते हुए कहा कि अपराध व अपराधियों को जिला में किसी भी सूरत में सहन नहीं किया जाएगा। उन्होंने आमजन से अपील की है कि वे इस प्रकार के अपराध को किसी भी सूरत में सहन न करें। निडर होकर पुलिस को शिकायत दे। आरोपियों के खिलाफ त्वरित कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

तोपखाना परेड के लोगों को छोड़नी होगी जमीन

- हाईकोर्ट ने याचिका खारिज की सैकड़ों परिवारों के सामने खड़ा हुआ आर्थिक संकट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

तोपखाना परेड के लोगों को अब जमीन से अपना कब्जा छोड़ना होगा। पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट से भी इन लोगों को राहत नहीं मिली है। हाईकोर्ट ने वादियों की याचिका को खारिज कर दिया गया है। ऐसे में अब तोपखाना परेड की 21 एकड़ जमीन पर कैंटोनमेंट बोर्ड का स्थायी कब्जा हो जाएगा।

हाईकोर्ट में दावा खारिज होने के बाद अब सैकड़ों परिवारों के सामने रोजी रोटी का संकट खड़ा हो गया है। दूसरी तरफ अब कैंटोनमेंट बोर्ड पुलिस सुरक्षा के लिए पत्राचार करेगा ताकि जमीन पर तारबंदी की कार्यवाही को पूरा किया जा सके। तोपखाना परेड में जिस जमीन का विवाद चल रहा है उससे बड़ी आबादी जुड़ी है। इस जमीन पर खेतीबाड़ी करके और सब्जियां व फूल उगाकर लोग अपने परिवार का भरण-पोषण कर रहे थे। ऐसे में अगर उनके हाथ से यह जमीन जाने से उनके सामने आर्थिक संकट खड़ा हो जाएगा। यहां रहने वाले लोगों का मूल रोजगार खेतीबाड़ी ही है। यहां के रहने वाले मनोज, अर्जुन दास, रिंकू, रेखा व रजनी ने बताया कि उन्हें अंग्रेजों ने यहां बसाया था ताकि जमीन की देखभाल हो सके और लोग काम-धंधा कर सकें। अब इस जमीन से अब लोगों को बेदखल किया जा रहा है जबकि उनकी तीन पीढ़ियां लगातार इस जमीन से जुड़ी हुई हैं। ऐसे में अगर उनसे यह जगह छीनी जाती है तो फिर उनके लिए गुजर-बसर करना काफी मुश्किल हो जाएगा। बता दें कि कैंटोनमेंट बोर्ड की टीम तारबंदी के लिए 24 जुलाई को तोपखाना परेड में पहुंची थी। इस दौरान यहां रहने वाले लोगों ने इस कार्रवाई का विरोध किया था। तोपखाना परेड वासियों की तरफ से एक वकील ने कोर्ट से संबंधित दस्तावेज बोर्ड अधिकारियों को दिखाए थे और कहा था कि इस मामले की सुनवाई एक अगस्त को हाईकोर्ट में है, इसके बाद बोर्ड अधिकारियों ने स्थानीय निवासियों से लिखित में आश्वासन लिया कि कोर्ट जो भी फैसला देगी, वो उन्हें मान्य होगा।

यह है मामला

दो जुलाई को कैंटोनमेंट बोर्ड ने तोपखाना की लगभग 21 एकड़ पर कब्जा लिया था। इस जमीन पर वर्षों पहले अंग्रेजों ने श्रमिकों को बसाया था और उन्हें खेती के लिए यह जमीन दी थी। इसके बाद कैंटोनमेंट बोर्ड ने अंग्रेजों के कार्यकाल के बाद अपने अधीन ले लिया और इसे स्थानीय निवासियों को छह हजार की लीज पर दे दिया गया, लेकिन धीरे-धीरे लीज की राशि को बढ़ाया गया जोकि 40 हजार प्रति एकड़ तक पहुंच गई जो खेतिहर मजदूरों के लिए चुकाना नामुमकिन हो गया। इसके बाद यह राशि 90 लाख रुपये तक पहुंच गई। इस राशि की प्राप्ति के लिए बोर्ड ने कोर्ट में याचिका दायर की। इसका फैसला भी बोर्ड के पक्ष में आया था।

छीनाझपटी के आरोपी को 5 साल कारावास की सजा

कुरुक्षेत्र। कुरुक्षेत्र की अतिरिक्त जिला एवं सैशन न्यायधीश की अदालत ने मोबाईल फोन छीनने के आरोपी गुरप्रीत सिंह उर्फ गोपी वासी पीएनबी कॉलोनी कुरुक्षेत्र को 5 साल कारावास व 25 हजार रुपए जुर्माने की सजा सुनाई है। जानकारी देते हुए जिला न्यायवादी ने बताया कि 2 फरवरी 2024 को बलदेव वासी सेक्टर-3 कुरुक्षेत्र ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 9 फरवरी 24 की शाम को सैर के लिए निकला था। जब वह सैर करते हुए पेट्रोल पंप के पास पहुंचा तो उसी समय एक मोटरसाईकिल पर दो लड़के आए और उसके हाथ से मोबाइल छीनकर भाग गए। जिसकी शिकायत पर मामला दर्ज करके जांच की गई। तफ्तीश के दौरान आरोपी को गिरफ्तार करके अदालत के आदेश से कारागार भेज दिया था। मामले का चालान माननीय अदालत में दिया गया था। मामले की नियमित सुनवाई करते हुए अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश की अदालत ने गवाहों व सबूतों के आधार पर मोबाईल फोन छीनने के आरोपी गुरप्रीत सिंह उर्फ गोपी वासी पीएनबी कॉलोनी कुरुक्षेत्र को दोषी करार देते हुए देते आईपीसी की धारा 379-ए के तहत 5 साल कठोर कारावास व 25 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई, जुर्माना न भरने की सूरत में 5 माह के अतिरिक्त कारावास की सजा सुनाई तथा आईपीसी की धारा 201 के तहत 1 साल कठोर कारावास व 5 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई, जुर्माना न भरने की सूरत में 1 माह के अतिरिक्त कारावास की सजा भुगतनी होगी भुगतनी होगी।

मोटे मुनाफे का लालच देकर तीन लाख की ठगी, केस दर्ज

अंबाला। कंपनी में मुनाफे का लालच देकर तीन लाख चार हजार रुपये की धोखाधड़ी हो गई। पंजोखरा साहिब गांव की राजिंदर कौर की शिकायत पर पुलिस ने भंम्भोली गांव यमुनानगर के कर्मचंद और अमलीखेड़ा गांव की माया देवी और कोलकाता की दो कंपनियों के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है।

राजिंदर कौर ने बताया कि वह विधवा है। उसके पति एचएमटी कंपनी में काम करते थे। उनके जमा किए हुए कुछ रुपये उसके खाते में जमा थे। इसकी जानकारी उसने उसकी सगी बहन माया देवी को दी। जनवरी 2014 के पहले सप्ताह में माया देवी उसके घर आई हुई थी। यहां उसने कर्मचंद से मुलाकात करवाई और राजिंदर कौर को एक कंपनी में निवेश करने का लालच दिया। दोनों ने कहा उनको लगभग दोगुना मुनाफा होगा। उसने अलग-अलग खातों में तीन लाख चार हजार रुपये डाल दिए लेकिन आरोपियों न तो पैसा दिया और न मुनाफा। अब पुलिस मामले की जांच कर रही है।

युवक ने प्रेम जाल में फंसाकर युवती को जंगल में ले जाकर किया दुष्कर्म

- संबंध बनाने के बाद आरोपी युवक ने शादी से किया मना
- पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ किया केस दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

जिले के प्रतापनगर थाना क्षेत्र में एक युवक ने युवती को प्रेम जाल में फंसा कर उसे कलेसर जंगल में ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। आरोप है कि आरोपी ने उसे शादी करने का भी झांसा दिया और बाद में शादी करने से मना कर दिया। पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

जानकारी के अनुसार प्रताप नगर थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी 24 वर्षीय युवती ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कुछ महीने पहले उसकी जान पहचान अमन के साथ हो गई। इसके बाद उसकी अमन के साथ मोबाइल पर बातचीत होने लगी। गत 11 जून को आरोपी ने उसे मिलने के लिए बुलाया। वह आरोपी की बातों में आकर उससे मिलने के लिए चली गई। इसके बाद आरोपी उसे बहला फुसलाकर कलेसर जंगल में लेकर गया। जहां आरोपी ने उसके साथ दुष्कर्म किया। आरोपी ने उसे शादी करने का भी वायदा किया। इसके बाद आरोपी उसे घर छोड़कर चला गया। युवती ने बताया कि दो दिन पहले आरोपी उसके घर पर आया।

आरोपी ने उसे घर पर अकेला पाकर उसके साथ दुष्कर्म करने का प्रयास करने लगा। उसने विरोध किया तो आरोपी उसे जान से मारने की धमकी देने लगा। उसके बाद आरोपी ने उसे शादी करने से मना कर दिया। उसने आरोपी के खिलाफ पुलिस में शिकायत दी। पुलिस ने मामले की जांच के बाद आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

कृषि विज्ञान केंद्र दामला में प्रधानमंत्री किसान उत्सव कार्यक्रम

पीएम किसान योजना सशक्तिकरण की पहल: नागर

- खाद्य एवं आपूर्ति उपभोक्ता मामले के राज्यमंत्री राजेश नागर ने मुख्यातिथि के रूप में लिया भाग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम) किसान योजना की 20वीं किस्त के अंतर्गत प्रधानमंत्री किसान उत्सव कार्यक्रम शनिवार को जिले के कृषि विज्ञान केन्द्र दामला में आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में हरियाणा के खाद्य एवं आपूर्ति उपभोक्ता मामले राज्य मंत्री राजेश नागर ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। मुख्यातिथि एवं राज्यमंत्री राजेश नागर ने कहा कि यमुनानगर जिले के 59 हजार 818 पात्र किसानों को आज दो हजार रुपये प्रति किसान की दर से 11.96 करोड़ रुपये की बीसवीं किस्त की राशि सीधे उनके बैंक खातों में भेजी गई है। यह राशि खरीफ सीजन के दौरान किसानों को आर्थिक सहायता प्रदान करने में सहायक सिद्ध होगी। उन्होंने बताया कि पीएम किसान योजना 2019 में प्रारंभ की गई थी। तब से प्रति किस्त सहायता राशि दो हजार रुपये किसान को दी जा रही है। राज्यमंत्री राजेश नागर ने कहा कि पीएम किसान योजना हमारे देश के अन्नदाताओं के सम्मान और सशक्तिकरण की एक ऐतिहासिक पहल है। जिसका उद्देश्य छोटे और सीमांत किसानों को आर्थिक सहायता प्रदान कर उनकी खेती को समृद्ध बनाना है।

इस योजना ने देशभर के करोड़ों किसानों को समय पर वित्तीय सहायता उपलब्ध कराकर उनकी कृषि संबंधी जरूरतों को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। मुख्यातिथि को स्मृतिचिन्ह देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष राजेश सपरा, एसडीएम रादौर नरेन्द्र कुमार, कृषि उपनिदेशक डॉ. आदित्य प्रताप डाबास, कृषि विज्ञान केंद्र दामला के समन्वयक डॉ. संदीप रावल, भाजपा नेता शशि दुरेजा व प्रगतिशील किसान आदि मौजूद रहे।

यमुनानगर। कृषि विज्ञान केंद्र दामला में प्रधानमंत्री किसान उत्सव में राज्यमंत्री राजेश नागर को सम्मानित करते भाजपा के जिला अध्यक्ष आदित्य प्रताप डबास। फोटो : हरिभूमि

डंपर की टक्कर लगने से कार सवार परिवार के पांच लोग घायल

यमुनानगर। जगाधरी अंबाला रोड पर दोसड़का चौक के पास डंपर की टक्कर लगने से कार सवार एक ही परिवार के पांच लोग घायल हो गए। जिनका इलाज अस्पताल में चल रहा है। पुलिस ने मामले की जांच के बाद अज्ञात डंपर चालक के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। रामनगर कॉलोनी निवासी मोहित कुमार ने साढ़ौरा थाना पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह अपनी पत्नी काजल, बेटे दिग्विजय, मां रीटा, भाभी सलिंदर कौर के साथ कार में सवार होकर किसी काम से जा रहे थे। जब वह दोसड़का चौक के पास पहुंचे तो तेज गति से आ रहे डंपर ने उनकी कार को टक्कर मार दी। जिससे वह सभी लोग घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। कुछ देर बाद आरोपी डंपर चालक मौके से फरार हो गया। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची।

दिल्ली जा रहे छात्र की कार पलटने से मौत

- डिवाइडर से टकराने पर हुआ हादसा, 12वीं का छात्र था सक्षम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत/गन्नौर

गन्नौर क्षेत्र में एक दर्दनाक सड़क हादसे में 17 वर्षीय छात्र की मौत हो गई। मृतक सक्षम पानीपत का रहने वाला था। सक्षम अपनी कार से किसी कार्य से दिल्ली जा रहा था। जैसे ही वह जीटी रोड पर चौखी ढाणी के पास पहुंचा तो उसकी कार अचानक डिवाइडर से टकरा गई और पलट गई। हादसे में सक्षम की मौके पर ही मौत हो गई।

सूचना मिलते ही गन्नौर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। थाना प्रभारी धीरज कुमार ने बताया कि प्रारंभिक जांच में यह सामने आया है कि गाड़ी का संतुलन बिगड़ने का कारण यह हादसा हुआ। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाकर उसे स्वजन को सौंप दिया है। सक्षम 12वीं कक्षा का छात्र था। वह तीन भाई-बहनों में सबसे छोटा था। सक्षम शनिवार की अल सुबह अपने घर से कार लेकर दिल्ली के लिए निकला था। स्वजन ने बताया कि उन्हें यह भी नहीं पता था कि सक्षम घर से कार लेकर कब निकला।

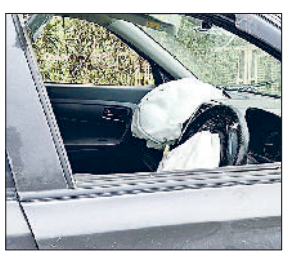

जीटी रोड पर कार पलटने के बाद गाड़ी के खुले एयर बैग।

खबर संक्षेप

टीबी जांच शिविर में की 2100 लोगों की स्क्रीनिंग

यमुनानगर। टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत सीएचसी प्रताप नगर द्वारा गांव कुटीपुर में टीबी जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का सीएचसी प्रताप नगर के वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ. जितेंद्र कुमार व टीबी अधिकारी डॉ. सचिन शर्मा ने शुभारंभ किया। मौके पर मोबाइल मेडिकल यूनिट में तैनात चिकित्सकों द्वारा लोगों की स्क्रीनिंग कर टीबी की जांच की गई। सीएचसी प्रताप नगर के वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ. जितेंद्र कुमार ने बताया कि गांव कुटीपुर में लगाए गए टीबी जांच शिविर में 2100 लोगों की स्क्रीनिंग की गई। जिनमें से 31 लोगों के एक्सरे और 15 लोगों के बलगम सैंपल लिए गए हैं। जिन्हें परीक्षण के लिए भेजा गया है।

दो युवकों ने घमहिला के कानों से झपटी बालियां

यमुनानगर। दुर्गेश्वरी कॉलोनी बूडिया निवासी जयप्रकाश ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसकी 80 वर्षीय मां दर्शनी देवी एक अगस्त को दोपहर दो बजे घर के बाहर बैठी थी। इस दौरान बाइक पर सवार होकर दो युवक आए। आरोपी युवकों ने आते ही उसकी मां के कानों से सोने की बालियां झपट ली और मौके से फरार हो गए। जब उसकी मां ने शोर मचाया तो वह घर से बाहर आए और आरोपियों का पीछा करने का प्रयास किया। मगर आरोपी भागने में कामयाब हो गए। उसने मामले की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने मामले की जांच के बाद आरोपी युवकों के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

श्याम रावत बने भाजपा आईटी सैल के प्रभारी

शाहबाद। भारतीय जनता पार्टी ने संगठनात्मक मजबूती की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए शाहाबाद विधानसभा क्षेत्र से युवा और सक्रिय कार्यकर्ता श्याम रावत को आईटी सैल का प्रभारी नियुक्त किया है। श्याम रावत इससे पहले एबीवीपी में प्रदेश संयोजक सहित कई महत्वपूर्ण पदों पर अपनी जिम्मेदारियां निभा चुके हैं। वर्ष 2018 में एबीवीपी के बैनर तले छात्र संघ का चुनाव भी लड़ चुके हैं।

विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस 14 को

कुरुक्षेत्र। पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने कहा कि कुरुक्षेत्र की पावन धरा से विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस का ऐतिहासिक और यादगार आगाज किया गया था। पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा सेक्टर 7 आवास कार्यालय पर कार्यकतार्ओं से बातचीत कर रहे थे। अहम पहलू यह है कि अब विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस 14 अगस्त को फरीदाबाद जिले में मनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि फरीदाबाद कार्यक्रम में पंडाल को राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे के रंग में रंगे कपड़े के साथ सजाया जाएगा।

जिला सचिवालय में प्रशासनिक अधिकारियों व विधानसभा समिति सदस्यों की हुई बैठक

सरकार की चलाई जा रही योजनाओं का संबंधित वर्गों को मिले लाभ : कबीरपंथी

■ योजनाओं का समय-समय पर अवलोकन व निरीक्षण करें

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

यमुनानगर । जिला सचिवालय में आयोजित विधानसभा समिति के सदस्यों व अधिकारियों की बैठक में दिशा निर्देश देते हुए समिति अध्यक्ष। फोटो : हरिभूमि

जिला सचिवालय में विधानसभा समिति सदस्यों व प्रशासनिक अधिकारियों की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में विधानसभा समिति द्वारा अनुसूचित जातियों, जनजातियों एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण के हितों में चलाई जा रही योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। बैठक की अध्यक्षता यमुनानगर विधानसभा समिति के अध्यक्ष एवं नीलोखेड़ी के विधायक भगवानदास कबीरपंथी ने की।

समिति के अध्यक्ष भगवान दास कबीरपंथी ने कहा कि हरियाणा विधानसभा में गठित अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं पिछड़ा वर्ग के उत्थान के लिए विधानसभा समिति गठित की है। इसी कड़ी में इन जातियों के लोगों के उत्थान के लिए समय समय पर सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं की संबंधित अधिकारियों से जानकारी ली जाती है। उन्होंने कहा कि विधानसभा समिति के अध्यक्ष एवं सदस्यों की जिम्मेदारी है कि संविधान एवं कानून के दायरे में रहते हुए इन वर्गों के उत्थान के लिए चलाई जा रही योजनाओं का समय-समय पर अवलोकन व निरीक्षण करें। ताकि इन वर्गों के लोगों को इन योजनाओं का लाभ मिल सकें।

विधानसभा समिति के अध्यक्ष भगवान दास कबीरपंथी ने कहा कि प्रदेश और जनता के हितों को ध्यान में रखकर पूरे प्रदेश का बजट पारित किया जाता है। बजट के इस पैसे का सही तरीके से इस्तेमाल हो और जो व्यक्ति इसके योग्य हैं उन तक इसका लाभ पहुंचे।

इसके लिए कमेटियों का गठन किया जाता है। उन्होंने सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों से इन वर्गों से जुड़े विषयों को गंभीरता से लेने के निर्देश दिए। मौके पर विधानसभा समिति की बैठक में पुलिस विभाग से संबंधित जानकारी पुलिस अधीक्षक कमलदीप गोयल ने दी।

जिस पर विधानसभा समिति अध्यक्ष ने पुलिस अधीक्षक को कहा कि वे इन वर्गों के पीड़ित लोगों द्वारा दी गई शिकायत की सबसे पहले एफआईआर दर्ज करें और इस बारे दूसरे संबंधित विभागों के अधिकारियों को भी सूचित करें। ताकि पीड़ित व्यक्ति को जल्द से जल्द राहत मिल सकें और सरकार की योजनाओं के अनुसार उन्हें मुआवजा राशि दी जा सकें। उन्होंने कहा कि जब भी विधानसभा समिति की बैठक का आयोजन हो सभी संबंधित विभागों के अधिकारी अपने अपने विभाग से संबंधित दस्तावेज लेकर समिति की बैठक में आएं। कोई भी अधिकारी अधूरी जानकारी लेकर समिति की बैठक में न आए। बैठक में कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के डीडीए आदित्य प्रताप डबास ने अनुसूचित जाति के किसानों को दी जा रही योजनाओं के बारे विस्तार से जानकारी दी।

बैठक में महात्मा गांधी ग्रामीण आवास योजना पर अध्यक्ष ने पंचायती राज व जनस्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों से बस्तियों में रहने वाले लोगों के लिए पीने के पानी, बिजली, सड़कें आदि के बारे जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को महात्मा गांधी ग्रामीण बस्तियों में मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए आपसी तालमेल से कार्य करने के निर्देश दिए।

आगामी बैठक के लिए क्या-क्या उचित कदम उठाए

बैठक में यमुनानगर के विधायक घनश्याम दास अरोड़ा ने कहा कि आगामी होने वाली विधानसभा समिति की बैठक में सभी संबंधित विभागों के अधिकारी यह सुनिश्चित करेंगे कि उन्होंने पिछली बैठक की अपेक्षा आगामी बैठक के लिए क्या-क्या उचित कदम उठाए हैं। उन्होंने कहा कि अधिकारियों का दायित्व बनता है कि वे अनुसूचित जाति, जन जाति एवं पिछड़ा वर्गों के हित में चलाई जा रही योजनाओं का लाभ उन तक अवश्य पहुंचाएं। बैठक में साढौरा की विधायक रेणूबाला, विधायक रामकरण, जरनैल सिंह, पवन खरखौदा, विधानसभा सचिव कंवर सिंह ने भी अपने विचार रखे। इस अवसर पर जिला उपायुक्त पार्थ गुप्ता, पुलिस अधीक्षक कमलदीप गोयल, नगर निगम के आयुक्त अखिल पिलानी, अतिरिक्त उपायुक्त नवीन आहूजा व जगाधरी के एसडीएम विश्वनाथ आदि मौजूद रहे।

जीवन में मां होती है पहली शिक्षकः मोनिका

■ होली मदर पब्लिक स्कूल में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत बच्चों व उनके अभिभावकों को पौधे किए वितरित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

यमुनानगर । होली मदर पब्लिक स्कूल में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत बच्चों को पौधे वितरित करती प्रधाचार्या मोनिका।

होली मदर पब्लिक स्कूल में शनिवार को पर्यावरण संरक्षण और मातृ सम्मान को समर्पित अभियान एक पेड़ मां के नाम के अंतर्गत पौधा वितरण समारोह का आयोजन किया गया। इस अभियान के अंतर्गत स्कूल के बच्चों व उनके अभिभावकों को छायादार, फलदार व औषधीय करीब 300 पौधे वितरित किए गए। मौके पर बच्चों व उनके अभिभावकों ने अपनी मां के नाम पर एक एक पौधा भी लगाया तथा प्रकृति से जुड़ने का संदेश जनता को दिया।

विद्यालय की प्रधानाचार्या मोनिका ने कहा कि मां जीवन की पहली शिक्षक होती है और पेड़ धरती मां के उपहार हैं। जब बच्चे अपनी मां के नाम पर पेड़ लगाते हैं तो यह एक प्रेम, कर्त्तव्य व पर्यावरण की सुरक्षा का सुंदर संगम होता है। मौके पर उन्होंने स्कूल के बच्चों व उनके अभिभावकों को नीम, अमरूद, गुलमोहर, अशोक और तुलसी जैसे औषधीय, फलदार और छायादार पौधे वितरित किए गए। कई बच्चों ने पौधे लगाते समय तख्ती पर अपनी मां का नाम और एक छोटा सा संदेश भी लिखा। जिससे हर पौधा एक भावना से जुड़ गया। मौक पर बच्चों के अभिभावकों ने इस पहल की सराहना की और बच्चों के साथ मिलकर स्कूल में पौधारोपण भी किया। विद्यालय की प्रधानाचार्या मोनिका ने सरकार द्वारा चलाई की एक पेड़ मां के नाम मुहिम की सराहना की।

स्कूल के चेयरमैन जीएस शर्मा ने कहा कि आज का यह आयोजन दिल को छू लेने वाला है। मां और प्रकृति दोनों जीवनदायिनी हैं। यदि हम अपनी मां के नाम पर एक पेड़ लगाएं और उसकी अच्छी तरह देखभाल भी करें। बच्चों की भागीदारी और माता पिता का सहयोग देखकर गर्व होता है। हमारा संस्थान ऐसे अभियानों के माध्यम से बच्चों में सामाजिक और नैतिक मूल्यों की नींव मजबूत करता रहेगा।

कलेक्टर रेट लागू करने का निर्णय लेने से पहले सार्वजनिक की गई थी रेट सूचीः गुप्ता

■ जिला सचिवालय में आवासीय व्यावसायिक व कृषि भूमि के कलेक्टर रेट तय करने के लिए आयोजित हुई अधिकारियों की बैठक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

यमुनानगर । उपायुक्त कार्यालय में आयोजित बैठक की अध्यक्षता करते हुए डीसी पार्थ गुप्ता। फोटो : हरिभूमि

जिला सचिवालय के उपायुक्त कार्यालय में आवासीय, व्यावसायिक और खेती बाड़ी की जमीन के कलेक्टर रेट तय करने के लिए प्रशासनिक अधिकारियों की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता उपायुक्त पार्थ गुप्ता ने की।

उपायुक्त पार्थ गुप्ता ने बताया कि जिले को प्री डिक्टिव कलेक्टर रेट जो कि राज्य सरकार की तरफ से प्राप्त हुए थे। जिन्हें लेकर बैठक का आयोजन किया गया। उन्होंने बताया कि कलेक्टर रेट लागू करने का निर्णय लेने से पहले प्री डिक्टिव कलेक्टर रेट की सूची को जिला प्रशासन की वेबसाइट पर सार्वजनिक किया गया था। इसके विषय में आमजन से आपत्तियां और सुझाव मंगवाने की प्रक्रिया को पूरा कर लिया गया था।

जिला राजस्व अधिकारी तरुण सहोता ने बताया कि नए कलेक्टर रेट को लेकर बैठक में समिति द्वारा तीनों प्रकार की भूमियों रेजिडेंशियल, कमर्शियल और एग्रीकल्चर के फाइनल रेट निर्धारित किए गए हैं। जिन्हें पोर्टल पर अपलोड कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि इसके संबंध में पूरा विवरण रेट सूची की सूचना अथवा अन्य जानकारी जमाबंदी.निक. इन पर देखी जा सकती हैं।

बैठक में एसडीएम व्यासपुर जसपाल सिंह गिल, एसडीएम जगाधरी विश्वनाथ, डीआरओ तरुण सहोता, डीएफओ संदीप सैनी, डीआईओ विनय गुलाटी, डीआईपीआरओ डॉ. मनोज कुमार, डीटीओ राजेश कुमार, डीएमसी कुलदीप कुमार आदि मौजूद रहे।

भंडारे में हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया

प्राचीन नगर खेड़ा रादौर में हवन यज्ञ व भंडारा का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रादौर

यमुनानगर । रादौर में प्राचीन खेड़ा पर आयोजित भंडारे में प्रसाद ग्रहण करते श्रद्धालु। फोटो : हरिभूमि

रादौर के प्राचीन नगर खेड़ा पर इलाके की सुख शांति व स्मृद्धि के लिए हवन यज्ञ व विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। भंडारे में हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। वहीं, भंडारा से पहले हवन यज्ञ में गणमान्य के आहुतियां अर्पित कर सभी के लिए मंगलकामना की।

रादौर के पूर्व सरपंच बालकिशन, अनिल अरोड़ा, काला ठेकेदार, संजय कांबोज व मलखान सिंह ग्रेवाल ने बताया कि सभी के सहयोग से शहर के प्राचीन नगरखेड़ा पर हवन यज्ञ व भंडारे का आयोजन किया गया है। उन्होंने बताया कि हालहि में नगर खेड़ा की नए स्वरुप की प्राणप्रतिष्ठा की गई थी।

जिसके बाद हवन यज्ञ व भंडारे का आयोजन किया गया। जिसमें सभी ने अपना सहयोग दिया। मौके पर ईश्वर गर्ग, मलखान सिंह ग्रेवाल, रेशम ग्रेवाल,सौरभ गुप्ता, संजय गुप्ता, बलबीर बंसल, अनिल शर्मा पम्मी, श्याम लाल सैनी, सुभाष कांबोज जयपुर, रोशनलाल सैनी, प्रवीण सैनी, संदीप सैनी व देसराज प्रजापत आदि मौजूद रहे।

विद्यार्थियों को किशोरावस्था में स्वस्थ रहने के लिए किया जागरूक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रादौर

यमुनानगर । मुकंदलाल नेशनल कॉलेज रादौर में आयोजित कार्यक्रम में विचार रखते मुख्य वक्ता। फोटो : हरिभूमि

मुकंदलाल नेशनल कॉलेज रादौर में शनिवार को रेड रिबन क्लब की ओर से किशोरावस्था एक नाजुक दौर विषय पर एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें सामुदायिक केंद्र रादौर के सलाहकार अंकित ने मुख्य वक्ता के रुप में भाग लिया। मुख्य वक्ता अंकित ने विद्यार्थियों को उनके किशोरावस्था के विभिन्न पक्ष जैसे शारीरिक, मानसिक व भावात्मक आदि विकास के बारे में जागरूक किया।

ताकि वे अपने शारीरिक, मानसिक व भावात्मक स्वास्थ्य को बरकरार रखते हुए स्वयं को प्रगति पथ पर अग्रसर करें। उनके इस ज्ञानवर्धक प्रयास के लिए क्लब के प्रभारी प्रो. आशीष भल्ला ने उनका धन्यवाद किया। कॉलेज की प्राचार्या डॉ. माला शर्मा ने कहा कि इस प्रकार की जागरूकता विद्यार्थियों के लिए समय समय पर लाई जानी चाहिए। इस अवसर पर डॉ. महेंद्र सिंह, डॉ. ऋचा सीकरी, प्रो. पिंकी रानी, प्रो.सिमरन व प्रो.नवीन भारद्वाज आदि मौजूद रहे।

राष्ट्रस्तरीय क्विज प्रतियोगिता में जेएमआईईटी संस्थान के विद्यार्थियों ने जीता विशेष पुरस्कार

■ कॉलेज निदेशक डॉ. विवेक शर्मा ने विशेष पुरस्कार जीतने पर विद्यार्थियों को दी बधाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रादौर

यमुनानगर। रादौर में जेएमआईईटीआई इंजीनियरिंग कॉलेज में आयोजित क्विज प्रतियोगिता में विशेष पुरस्कार से नवाजे गए संस्थान के विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए आयोजक।

जेएमआईईटीआई इंजीनियरिंग कॉलेज रादौर के सिविल इंजीनियरिंग विभाग के विद्यार्थियों ने अल्ट्राटेक सीमेंट के तत्वावधान में कॉलेज में आयोजित राष्ट्रस्तरीय सिविल इंजीनियरिंग क्विज प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विशेष पुरस्कार जीतकर संस्थान का नाम रोशन किया। प्रतियोगिता में देशभर के प्रतिष्ठित इंजीनियरिंग संस्थानों के प्रतिभागियों ने भाग लिया। कॉलेज के निदेशक डॉ. विवेक शर्मा ने बताया कि राष्ट्रस्तरीय क्विज प्रतियोगिता में उनके संस्थान की टीम ने अपनी तकनीकी समझ, विश्लेषण क्षमता व सिविल इंजीनियरिंग के विविध विषयों पर उत्कृष्ट ज्ञान का प्रदर्शन करते हुए विशेष पुरस्कार अर्जित किया। प्रतियोगिता के लिए विद्यार्थियों ने सिविल इंजीनियरिंग के असिस्टेंट प्रोफेसर करण वडेरा की अध्यक्षता में तैयारी की तथा अपने कौशल को प्रस्तुत किया।

संस्थान के निदेशक डॉ. विवेक शर्मा ने कहा कि यह सम्मान संस्थान की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और छात्रों की मेहनत का परिणाम है। उन्होंने छात्रों को भविष्य में भी इसी प्रकार उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रोत्साहित किया। अल्ट्राटेक समूह द्वारा आयोजित यह प्रतियोगिता विद्यार्थियों को वास्तविक जीवन की इंजीनियरिंग समस्याओं से रूबरू कराकर उनकी व्यावहारिक समझ को मजबूत करने का एक उत्कृष्ट मंच प्रदान करती है।

भाजपा ने रादौर में एक देश एक चुनाव को लेकर आयजित की बैठक

खर्चों पर अंकुश लगाने के लिए एक देश एक चुनाव जरूरीः अमनदीप

बैठक में भाजपा के वरिष्ठ नेता अमनदीप छोटा बांस ने की अध्यक्षता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रादौर

यमुनानगर। रादौर में आयोजित बैठक में एक देश एक चुनाव के बारे में जानकारी देते भाजपा नेता अमनदीप छोटाबांस। फोटो : हरिभूमि

भाजपा द्वारा एक देश एक चुनाव को लेकर चलाए जा रहे अभियान के तहत रादौर में कार्यकर्ताओं की बैठक का आयोजन किया गया। इस दौरान बैठक की अध्यक्षता भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पार्षद प्रतिनिधि अमनदीप छोटाबांस ने की। भाजपा के वरिष्ठ नेता अमनदीप छोटाबांस ने कहा कि देश में हर वर्ष कभी कोई तो कभी कोई चुनाव होता रहता है। जिससे देश पर खर्चों का बोझ बढ़ता है और आर्थिक व्यवस्था कमजोर होती है।

उन्होंने कहा कि देश में बार बार होने वाले चुनाव पर अंकुश लगना चाहिए और एक देश एक चुनाव होना चाहिए। ताकि खर्चों में कमी की जा सके। उन्होंने बताया कि एक देश एक चुनाव का मुख्य उद्देश्य लोकसभा व सभी राज्यों की विधानसभाओं के चुनाव को एक साथ आयोजित करना है। ताकि समय संसाधन और प्रशासनिक खर्चों की बचत हो सके। जिससे देश के विकास कार्यों में तेजी बनी रहे। भाजपा नेता अमनदीप छोटाबांस ने कहा कि बार बार चुनाव कराने में प्रशासनिक खर्च व संसाधनों की बर्बादी होती है। एक साथ चुनाव करने से चुनाव में भारी खर्च की कमी आएगी।

मतदान प्रतिशत बढ़ेगा

सुरक्षाबलों, शिक्षकों व प्रशासनिक अधिकारियों को बार बार चुनावी ड्यूटी से मुक्ति मिल सकेगी। वहीं, देश में बार बार लगने वाली अचार संहिता के कारण विकास परियोजना रुक जाने पर अंकुश लग सकेगा और विकास की गति तेज होगी। छोटाबांस ने कहा कि देश में एक साथ चुनाव होने से मतदाताओं में जागरूकता और उत्साह होगा। मतदान प्रतिशत बढ़ेगा। केंद्र सरकार और प्रदेश सरकारों समेत सभी राजनैतिक दलों को देश में एक चुनाव के लिए सर्वसम्मति से निर्णय लेना चाहिए।

दून पब्लिक स्कूल की लड़कियों की अंडर 14 आयु वर्ग की खो-खो टीम ने जीता गोल्ड मेडल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रादौर

यमुनानगर। दून पब्लिक स्कूल बुबका की विजेता बनी टीम खो खो प्रतियोगिता में अपने जौहर दिखाते हुए। फोटो : हरिभूमि

दून पब्लिक स्कूल बुबका के खिलाड़ियों ने राजकीय स्कूल जठलाना में आयोजित की जा रही खेलकूद प्रतियोगिता में विभिन्न खेलों में भाग लेकर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में दून पब्लिक स्कूल बुबका की लड़कियों की अंडर 14 आयु वर्ग की खो खो टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त कर गोल्ड मेडल जीतकर स्कूल का नाम रोशन किया। स्कूल की प्रधानाचार्य रेखा कंबोज ने बताया कि जठलाना के राजकीय स्कूल में खंडस्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता आयोजित की गई। जिसमें उनके स्कूल की लड़कियों की 14 आयु वर्ग की खो खो टीम में शामिल दृष्टि कंबोज, अक्षरा, निहारिका, अंशिका, आयुषी, दृष्टि धीमान, परनीत कौर, समृद्धि, पारुल, हरिका व तनीषा ने प्रथम स्थान प्राप्त कर गोल्ड मेडल पर कब्जा जमाया।

वहीं, लड़कियों की 14 आयु वर्ग में आयोजित कबड्डी प्रतियोगिता में उनके स्कूल की टीम में शामिल चाहत, गुंजन, भाविका, जपनीत,शानवी, दीपिका, हर्षिका, मिलन, रिजुल व नवनीत ने गोल्ड मेडल प्राप्त किया। वहीं, लड़को की 14 आयु वर्ग में आयोजित कबड्डी प्रतियोगिता में भविष्य, वीरेन, तनवीर, गुरुवंश, जतिन, अविश, अभिलेख, दिव्यांक, अबीर, कार्तिक व पारस ने सिल्वर मेडल प्राप्त किया।

वहीं, उनके स्कूल की लड़कियों की अंडर 17 वर्ग की वॉलीबॉल टीम में शामिल भारती, निहारिका, अक्षरा, समृद्धि, परनीत, आयुषी, दृष्टि कांबोज, दृष्टि धीमान व हरिका की टीम ने गोल्ड मेडल जीतकर स्कूल का नाम रोशन किया। इसी तरह लड़कों की अंडर.14 वॉलीबॉल टीम में शामिल लविश, रमिक, भुवन, रूपम, दिव्यांश व हर्षित ने गोल्ड मेडल प्राप्त किया।

खबर संक्षेप

नशे के खिलाफ चलाया जागरूकता अभियान

कुरुक्षेत्र। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं सीजेएम नीतिका भारद्वाज ने कहा कि जिला एवं सत्र न्यायाधीश दिनेश कुमार मित्तल के मार्गदर्शन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण पुलिस विभाग के संयुक्त तत्वाधान में नशे के खिलाफ जागरूकता के लिए मैदान कैंपेन चलाया गया है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं सीजेएम नीतिका भारद्वाज ने कहा कि पुलिस विभाग और डीएलएसए के पैनल अधिवक्ता रजत शर्मा द्वारा गांव ध्यांगला में लोगों को जागरूक किया गया।

15 अगस्त की तैयारियों को लेकर बैठक 5 को

पिहोवा। एसडीएम अभिनव सिवाच ने कहा कि उपमंडल पिहोवा में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त 2025 हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। इस राष्ट्रीय पर्व को भव्य रूप से मनाने के लिए प्रबंध किए जाने है। इन प्रबंधों को समय रहते पूरा करने के लिए 5 अगस्त 2025 को दोपहर बाद 3 बजे उपमंडल अधिकारी नागरिक कार्यालय में एक बैठक का आयोजन किया जाएगा। इस बैठक में सभी अधिकारी निर्धारित समय पर पहुंचना सुनिश्चित करेंगे।

संगमेश्वर महादेव मंदिर की ओर से शोभायात्रा 7 को

पिहोवा। श्रीसंगमेश्वर महादेव मंदिर अरुणाय की ओर से श्रावण मास के उपलक्ष्य में 7 अगस्त को शोभा यात्रा निकाली जाएगी। मंदिर के सचिव महंत विश्वनाथ गिरी के सानिध्य में बाबा श्रवणनाथ स्कूल के बच्चों सहित विभिन्न कलाकार मनमोहक झांकियां लेकर इस विशाल शोभायात्रा में शामिल होंगे।

विद्यार्थियों को पाठ्य सामग्री का किया वितरण

कुरुक्षेत्र। मानव उत्थान सेवा समिति द्वारा मिशन एजुकेशन के तहत 1 से लेकर 10 अगस्त तक पूरे भारतवर्ष में जरूरतमंद विद्यार्थियों को पाठ्य सामग्री वितरण की जा रही हैज इस मौके पर स्कूल के शिक्षक, विद्यार्थी, के सभी अध्यापक,कर्मचारी और संस्था के सदस्य कृष्ण लाल सैनी, राहुल चौधरी यमुनानगर, सुमन, सूरजभान, बाबूलाल, कृष्ण कुमार और गणेश लाल आदि शामिल रहे।

स्व. मेहरचन्द मेहंदीरत्ता की 36वीं पुण्यतिथि पर रक्तदान शिविर आयोजित

पुण्य कमाने के लिए प्रत्येक नागरिक को करना चाहिए रक्तदान : विधायक

- शिविर में 121 लोगों ने किया रक्तदान
- विधायक अशोक अरोड़ा, पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा, जिप चेयरमैन कंवलजीत कौर, पुलिस अधीक्षक नीतीश अग्रवाल ने शिविर का किया शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

कुरुक्षेत्र। पूर्व राज्य मंत्री सुभाष सुधा को स्मृति चिहन भेंट करते आयोजक।

कुरुक्षेत्र के प्रमुख समाजसेवी स्व. मेहर चंद मेहंदीरत्ता की 36वीं पुण्यतिथि पर उनकी पावन स्मृति में कुरुक्षेत्र के कीर्ति नगर में स्व. मेहरचन्द मेहंदीरत्ता चैरिटेबल डिस्पेंसरी एवं लाइब्रेरी में 21वें रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस रक्तदान शिविर का शुभारंभ विधायक अशोक अरोड़ा, पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा, जिला परिषद की अध्यक्षा कंवलजीत कौर, पुलिस अधीक्षक नीतीश अग्रवाल, नगर परिषद थानेसर की चेयरमैन माफी ढांडा ने किया। इस शिविर में 202 लोगों ने पंजीकरण करवाया और 121 से ज्यादा रक्तदाताओं ने अपना रक्तदान किया। इन सभी रक्तदाताओं को विधायक अशोक अरोड़ा, पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा, जिप चेयरमैन कंवलजीत कौर, पुलिस अधीक्षक नीतीश अग्रवाल ने बैज लगाकर व प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया। इतना ही नहीं महंत बंसीपुरी महाराज, भाजपा के जिलाध्यक्ष तिजेन्द्र सिंह गोल्डी, केडीबी मानद सचिव उपेन्द्र सिंघल, चेयरमैन मदन मोहन छाबड़ा, भाजपा नेता गौरव बेदी, भाजपा युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष साहिल सुधा, मुख्यमंत्री के मीडिया कोर्डिनेटर तुषार सैनी, समाज सेवी मुकुंद लाल, पूर्व चेयरमैन देवी दयाल शर्मा ने स्कूली विद्यार्थियों को पाठ्य सामग्री और जरूरतमंद महिलाओं को राशन वितरित किया तथा सभी मेहमानों ने रक्तदाताओं को बैच लगाकर सम्मानित किया। विधायक अशोक अरोड़ा ने कहा कि स्व. मेहर चंद मेहंदीरत्ता चैरिटेबल संस्था ने रक्तदान शिविर लगाकर समाज को एक अच्छा संदेश देने का काम किया है। इस प्रकार के कार्यक्रमों से समाज के लोगों को प्रेरणा मिलेगी। इतना ही नहीं इस प्रकार के शिविर समाज के लिए संजीवनी बूटी का भी काम करते है। जिप चेयरमैन कंवलजीत कौर ने रक्तदाताओं को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित करते हुए कहा कि स्व. मेहर चंद मेहंदीरत्ता चैरिटेबल संस्था की तरफ से पंकज अरोड़ा, राजीव अरोड़ा, राजेंद्र अरोड़ा समाज सेवा के लिए सराहनीय कार्य कर रहे है। रक्तदान शिविर में बीएस हार्ट केयर मल्टी स्पेशलिटी अस्पताल के डा. सुशांक शर्मा, डा. हिमांशु जैन, डा. पवन बंसल का अहम योगदान रहा है। इस कार्यक्रम में जिंदल हाउस से सेवानिवृत आईएएस धर्मवीर, डीएसपी सुनील कुमार, डीएसपी रोहताश, जिला परिषद से लेखा अधिकारी सत्यभूषण, धीरज गुलाटी, सुनील कुमार, जिंदल हाउस से राजकुमार सैनी, भारत भूषण, विनोद गर्ग, विनीत क्वात्रा, डीईटीसी पुनीत शर्मा, अवनी गुप्ता, बीएस हर्ट केंद्र से डॉ पवन गोयल व अपना अस्पताल से डॉ अजय अग्रवाल, सेंट थॉमस स्कूल की एमडी अंजलि मारवाह, डा. सुरेन्द्र भोला, डा. आनंद कुवि, उद्योगपति विजय बजाज, समाजसेवी महिपाल ढांडा, सब्जी मंडी से राकेश अरोड़ा, उद्योगपति पंकज बजाज, उद्योगपति अमित गुलाटी, टोनी मदान, समाजसेवी परिक्षित मदान, समाजसेवी प्रदीप झांब आदि उपस्थित थे

अब तक 4 हजार से अधिक यूनिट ब्लड एकत्रित

संस्था के अध्यक्ष पंकज अरोड़ा ने मेहमानों का स्वागत करते हुए कहा कि अपने पिता के सपने साकार करने के लिए भविष्य में और भी समाज हित में कार्य करेंगे और इसकी योजना बनाएंगे। उन्होंने यह भी बताया कि चैरिटेबल डिस्पेंसरी एवं लाइब्रेरी का शुभारंभ 3 अगस्त 2012 को किया गया, जिसमें 13 वर्ष के अंतराल में 2.25 लाख से अधिक जरूरतमंद लोगों की चिकित्सा जांच की गई व उन्हें निःशुल्क दवाईयां उपलब्ध करवाई गई। पीजीआई चंडीगढ़ व जिला रेडक्रास की सहायता से अब तक 21 रक्तदान शिविर लगाकर लगभग 4 हजार से भी अधिक यूनिट ब्लड एकत्रित कर लोकनायक जयप्रकाश अस्पताल में दान करवाया गया। इन 13 वर्ष के दौरान आंखों के मेडिकल कैंप, दंत चिकित्सा कैंप, हड्डी रोग जांच कैंप, जरूरतमंद लोगों को वॉकर व छड़ी उपलब्ध करवाना एवं जरूरतमंद बच्चों को वर्दियां, जूते, कॉपी-किताब भी उपलब्ध करवाई गई। उन्होंने बताया कि संस्था का सारा खर्चा परिवार वहन करता है। संस्था द्वारा आज तक कभी भी सरकारी या गैर सरकारी वित्तीय सहायता नही ली गई। ज्येष्ठ पुत्री डॉ रीता अरोड़ा व डॉ लता अरोड़ा ने जानकारी देते हुए बताया कि डिस्पेंसरी में किसी भी तरह का कोई शुल्क नहीं लिया जाता और दवाइयां भी मुफ्त में उपलब्ध करवाई जाती हैं।

सांसद जिन्दल के माध्यम से हजारों लोगों तक पहुंची स्वास्थ्य सुविधाएं

- मोबाइल मेडिकल यूनिट योजना के तहत अब तक 1100 कैंप आयोजित कर 70 हजार लोगों की जांच की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

सांसद नवीन जिन्दल द्वारा स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ और सुलभ बनाने के लिए आरंभ की गई मोबाइल मेडिकल यूनिट योजना के सकारात्मक परिणाम आ रहे हैं। जुलाई 2024 में सांसद नवीन जिन्दल ने तीन अत्याधुनिक मोबाइल मेडिकल यूनिट्स को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया था। इन युनिट्स ने अब तक गांवों व शहरों के 1100 कैंप आयोजित कर 70000 लोगों की जांच की है । इन लोगों को परामर्श और दवाइयां देकर लाभान्वित किया गया है। इन युनिट्स में 16000 लोगों के रक्त एवं युरिन के टेस्ट किए गए हैं। नवीन जिन्दल फाउंडेशन द्वारा संचालित इन मोबाइल मेडिकल यूनिट्स ने ग्रामीण और शहरी क्षेत्र में रहने वाले लोगों को लाभ पहुंचाया है। इन युनिट्स में एमबीबीएस डॉक्टर की मौजूदगी में मरीजों की जाँच की जाती है और उन्हें मौके पर ही उचित परामर्श दिया जाता है। साथ ही, रक्त एवं मूत्र की जोच कर तुरंत रिपोर्ट प्रदान की जाती है जिससे मरीजों को समय पर इलाज मिल सके।

शिविर में 500 बच्चों के दांतों की जांच की

कुरुक्षेत्र। अग्रवाल डेंटल क्लिनिक के द्वारा फ्री डेंटल चेकअप कैंप एसडी गर्ल्स सीनियर सकेंडरी स्कूल में लगाया गया। इसमें डॉ. दीपक अग्रवाल व डॉ अमृता, डॉ. तान्या कक्कड़ द्वारा 550 बच्चों के दांतों की जांच की गई और फ्री टुथपेस्ट, टुथब्रश और पेनकिलर्स दिए गए। बच्चों को मीठा कम खाने की हिदायत दी गई और खाना खाने के बाद मुंह करने को कहा गया। साथ में 2 बार ब्रश सुबह और रात को करने की सलाह दी गई। डॉ दीपक अग्रवाल ने मुँह और उससे जुड़ी हुई बीमारी और उनके रोकथाम के लिए बच्चों को बताया और ब्रस ठीक तरीके से करना सिखाया।

कर ले श्याम से बात, तेरा मन हल्का हो जाएगा...भजनों ने खोली दिल की गांठें

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पिहोवा

- ज्ञानानंद महाराज की प्रेरणा से प्रभातफेरी का आयोजन

परम श्रद्धेय, परम पूज्य, महामण्डलेश्वर, गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद जी महाराज के आशीर्वाद और प्रेरणा से यह प्रभातफेरी, देव पूर्णिमा व अभिषेक पूर्णिमा के सौजन्य से सीता देवी धर्मशाला में आयोजित हुई। यह आयोजन केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं था, बल्कि यह एक दिव्य यात्रा थी, जहां प्रत्येक उपस्थित आत्मा ने स्वयं को प्रभु के समीप अनुभव किया। जैसे ही वैदिक मंत्रों की दिव्य ध्वनि गूंज उठी, वातावरण भक्तिरस में डूब गया। भजन गायकों जगदीश तनेजा, सुरेश वर्मा, कुश चुचरेजा, राकेश शर्मा, दिनेश अत्री, आशा चावला, तान्या सैनी, सुभाष अग्रवाल, वीना नारंग, दानी तनेजा और जितेन्द्र वर्मा ने अपनी मधुर वाणी से समस्त जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया। दिनेश अत्री के /"मोहन से दिल क्यों लगाया है/", और जितेन्द्र वर्मा के /"कर ले श्याम से बात, तेरा मन हल्का हो जाएगा/" जैसे भजनों ने दिल की गांठें खोल दीं और आंखों से अश्रुधारा बह निकली। भजन की इस अनुपम श्रृंखला के बीच जब आयोजन समिति को ठाकुर जी का स्वरूप भेंट किया गया, तो वह क्षण जैसे पूरे आयोजन की आत्मा बन गया। आयोजक परिवार सतीश छाबड़ा, संजय वर्मा, सत्यनारायण गुप्ता, मीना पूर्णिमा, अनु रानी, जसलीन, अभिमन्यु, रामकली देवी, सुखदेव सिंह, परमानंद चौबे, विकल चौबे, ज्ञान भूषण पपनेजा, आशीष चक्रपाणी, सुरेंद्र ढींगरा ने पूरे भाव और श्रद्धा से आए हुए सभी श्रद्धालुओं का स्वागत किया और आयोजन को एक पारिवारिक व आत्मीय रंग दिया।

तीन चरणों में आयोजित किया जाएगा हर घर तिरंगा अभियान

कुरुक्षेत्र। अतिरिक्त उपायुक्त महावीर प्रसाद ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर देशभर में 2 अगस्त से 15 अगस्त तक हर घर तिरंगा अभियान चलाया जाएगा। हम सबको होली व दिवाली जैसे त्योहारों की तरह हर वर्ष आजादी का पर्व भी मिलजुल कर मनाना चाहिए। हर घर तिरंगा अभियान जैसे कार्यक्रमों से हमारी युवा पीढ़ी में भी राष्ट्र के प्रति एक नई चेतना व ऊर्जा जागृत होती है। अतिरिक्त उपायुक्त ने कहा कि हर घर तिरंगा अभियान का प्रथम चरण 8 अगस्त तक चलेगा। इस पहले चरण में सार्वजनिक स्थलों पर लोगों को हर घर तिरंगा अभियान से जुड़ने के लिए राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे के इतिहास पर चर्चा की जाएगी और लोगों को जागरूक किया जाएगा,स्कूलों की दीवारों और बोर्ड पर विद्यार्थियों को प्रेरित करने के लिए तिरंगे को लेकर कलाकृतियां बनाई जाएगी।

गोबर से बनी राखियों के प्रति किया प्रेरित

- गीता कन्या विद्यालय में चल रही गो स्वावलंबी यात्रा का समापन समारोह आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

विद्या भारती हरियाणा एवं हिंदू शिक्षा समिति के संयुक्त तत्वाधान में अमीन मार्ग स्थित गीता कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में चल रही गौ स्वावलंबी यात्रा का समापन समारोह बड़े ही उत्साह एवं गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। यह यात्रा विद्यार्थियों को आत्मनिर्भरता, भारतीय परंपराओं तथा गौ आधारित उत्पादों के महत्व से परिचित कराने के उद्देश्य से आयोजित की गई थी। समापन दिवस पर विद्यालय के सभागार समारोह की शुरूआत वैदिक मंत्रोच्चार और दीप प्रज्वलन से हुई। विद्यालय प्रधानाचार्य सुमन बालाजी ने मुख्य अतिथि और अन्य अतिथि गणों का परिचय करवाया व स्मृति चिन्ह और अंग वस्त्र देकर उनका स्वागत किया। मुख्य अतिथि के रूप में बालकृष्ण विद्या भारती उत्तर क्षेत्र के सहसंगठन मंत्री उपस्थित रहे। सेवा भारती हरियाणा प्रदेश द्वारा आयोजित वीडियो में स्वावलंबी यात्रा के अंतर्गत तरुण जैन व सुश्री श्रुति भी उपस्थित रहे। तरुण जैन ने गौ आधारित जीवनशैली, जैविक कृषि, तथा पर्यावरण संरक्षण में गाय के योगदान पर विस्तृत प्रकाश डाला। उन्होंने विद्यार्थियों को इस वर्ष प्लास्टिक की बनी चाइनीस राखियों की जगह गोबर से बनी हुई पर्यावरण अनुकूलन राखियों का उपयोग करने को प्रेरित किया। मुख्य अतिथि बालकृष्ण ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि गाय हमारी संस्कृति का मूल है।

आयुष विवि में मनाया विश्व स्तनपान सप्ताह

कुरुक्षेत्र। श्रीकृष्ण आयुष विश्वविद्यालय में कुलपति प्रो. वैद्य करतार सिंह धीमान के मार्गदर्शन में विश्व स्तनपान सप्ताह 1 से 7 अगस्त तक मनाया जा रहा है। आयुष विश्वविद्यालय का कौमारभृत्य और प्रसूति विभाग द्वारा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में शनिवार को कौमारभृत्य विभाग में विश्व स्तनपान सप्ताह के तहत इस वर्ष की थीम /"स्तनपान को प्राथमिकता दें: स्थायी सहयोग तंत्र का निर्माण करें/" पर मरीजों को स्तनपान के महत्व को लेकर जागरूक किया गया। इस अवसर पर कौमारभृत्य विभाग के प्रोफेसर डॉ. अमित कटारिया ने कहा कि स्तनपान केवल शिशु के पोषण का माध्यम नहीं, बल्कि भावनात्मक, सामाजिक और संपूर्ण विकास की नींव है।कार्यक्रम में पीजी स्कॉलर डॉ. अमन समोता, डॉ. नीरजा, डॉ. श्रुति, डॉ. प्राची, डॉ. पंकज, डॉ. किरण और विशाल ने भी भाग लिया।

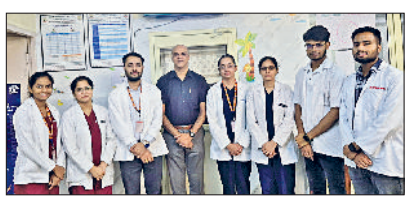

फैंसी ड्रेस स्पर्धा में वेदांत राज, रशवित व राम्या प्रथम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

बी. आर. इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल के परिसर में अन्तःविद्यालय प्रतियोगिता के तहत सौहार्द सी-1 फैन्सी ड्रेस प्रतियोगिता का आयोजन करवाया गया। प्रतियोगिता में कुरुक्षेत्र शहर के विभिन्न स्कूलों के छात्रों ने बढ़-चढ़कर प्रतिभागिता की। प्रतियोगिता में विभिन्न देश भक्तों की वेशभूषा में सजे-संवरे छात्र/छात्राएं हर किसी के मन को मोह रह थे। कुछ छात्र/छात्राएं सामाजिक सरोकारों से जुड़े विषय जैसे स्वस्थ भोजन, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, पर भी स्वयं की वेशभूषा से सबके दिलों को जीत लिया। इस प्रतियोगिता का श्रेणी अनुसार परिणाम क्रमशः इस प्रकार रहा। प्रथम वेदान्त राज, रशवित, राम्या, द्वितीय - गौरिक, विनाया, तृशा, निकुंज, आयान, तृतीय - सिद्धान्त, नव्या, गौरांशी, सांत्वना - अनाहत, कीरत, मृदुल - प्रशंसनीय पुरस्कार दिया।

रोटरी क्लब ने राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल शरीफगढ़ को 10 सीलिंग फैन किए वितरित

शाहबाद। रोटरी क्लब ने राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल शरीफगढ़ को 10 सीलिंग फैन वितरित किए। गए यह पंखे हमारे क्लब के सदस्य महेश गोयल द्वारा प्रदान किए गए। यह पंखे छात्रों को गर्मियों के मौसम में बेहतर और आरामदायक अध्ययन वातावरण प्रदान के उद्देश्य से दिए गए है। स्कूल के प्रधानाचार्य ने रोटरी क्लब का आभार व्यक्त किया और कहा कि शिक्षा के बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाने में यह सहयोग सराहनीय है ये पंखे कक्षाओं में लगाए जाएंगे जिससे छात्रों और शिक्षकों को बेहतर वेंटिलेशन और सुरक्षा मिले। असिस्टेंट गवर्नर डॉक्टर एस.एस. आहूजा ने कहा कि रोटरी क्लब शाहाबाद ने पहले भी इस स्कूल से और रोटरी के संयोजक से ओर भी सुविधाएं प्रदान की जाएगी।

पीएम किसान सम्मान निधि योजना किसानों के लिए हो रही मील का पत्थर साबित : कैलाश सैनी

कुरुक्षेत्र। मुख्यमंत्री कार्यालय के प्रभारी कैलाश सैनी ने कहा है कि पीएम किसान सम्मान निधि योजना किसानों के लिए मील का पत्थर साबित हो रही है। इस योजना से किसानों को आर्थिक मजबूती मिल रही है। पीएम किसान सम्मान निधि योजना के तहत अब तक किसानों को हर साल छह हजार रुपये आर्थिक मदद दी जाती है। जो इस बात का सबूत है कि केंद्र सरकार किसानों के हित के लिए काम कर रही है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार व प्रदेश सरकार ने किसानों के हित के लिए कई योजनाएं लागू की हैं। जिससे किसानों को आर्थिक मजबूती मिली है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री नायब सैनी किसान हित के बारे में फैसले लेते रहे हैं। वे शनिवार को पिपली अनाजमंडी में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के बारे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का लाइव कार्यक्रम देखने के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। मुख्यमंत्री कार्यालय प्रभारी कैलाश सैनी ने कहा कि कांग्रेस सरकार द्वारा पीएम किसान सम्मान निधि की राशि किसानों के खातों में सीधे जमा की जाती है। आज प्रदेश के तकरीबन 41 हजार किसानों के खाते में पीएम किसान सम्मान निधि की 20वीं किस्त के तौर पर 8 करोड़ रुपये से अधिक की राशि डाली गई है। इससे पूर्व अनाजमंडी में पहुंचने पर मुख्यमंत्री कार्यालय प्रभारी कैलाश सैनी का पिपली मार्किट कमेटी के सचिव गुरमीत सैनी ने गुलदस्ते भेंट कर स्वागत किया। इस मौके पर पिपली अनाजमंडी के पूर्व प्रधान अमीर चंद, भाजपा किसान मोर्चा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य हरमेश सैनी, पिपली मंडल के अध्यक्ष अमरेंद्र सिंह, पिपली मार्किट कार्यालय के कर्मचारी और आढती व व्यापारी मौजूद रहे।

कार्यक्रम बार रूम में लेडी लॉयर्स, नए वकीलों और लॉ स्टूडेंट्स की राज्य स्तरीय कनवेंशन सम्पन्न

पूर्व एडवोकेट जनरल बिकाश रंजन भट्टाचार्य ने कार्यक्रम में किया संबोधित

बिना न्यायपालिका की स्वंत्रता व जवाबदेही के लोकतंत्र और संविधान सुरक्षित नहीं हो सकता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

कुरुक्षेत्र। अधिवक्ताओं को संबोधित करते आल इंडिया लॉयर्स यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व एडवोकेट जनरल बिकाश रंजन भट्टाचार्य।

आल इंडिया लॉयर्स यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व एडवोकेट जनरल बिकाश रंजन भट्टाचार्य ने कहा कि बिना न्यायपालिका की स्वन्त्रता और जवाबदेही के लोकतन्त्र व संविधान सुरक्षित नहीं हो सकता। न्याय पालिका की स्वतंत्रता, संविधान और लोकतंत्र बचाओ विषय पर वे शनिवार को कुरुक्षेत्र बार रूम में लेडी लॉयर्स, नए वकीलों और लॉ स्टूडेंट्स की राज्य स्तरीय कनवेंशन में बतौर मुख्य अतिथि विचार व्यक्त कर रहे थे। सेमिनार की अध्यक्षता एआईएलयू के राज्य अध्यक्ष गुरमेज सिंह व जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष धर्मेन्द्र अत्री ने संयुक्त रूप में की। मंच का संचालन कुरुक्षेत्र यूनिट के अध्यक्ष प्राशीश ने किया। भट्टाचार्य ने कहा कि हमारे देश को ब्रिटिशर्स से आजाद कराने के लिए लाखों-लाख देशभगतों ने कुबार्नी दी। शहीद भगत सिंह जैसे अनेक क्रांतिकारियों व आजादी के दीवानों ने सपने संजोए थे कि एक ऐसा देश बने, जिसमें सभी को शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य आदि मूलभूत सुविधाएं मिले, कोई भी भूखा व बिना छत के न सोए। विशेष तौर पर क्रांतिकारी समतामूल्क समाज की कल्पना करते थे, लेकिन आजादी के 77 वर्ष बाद आज भी असमानता घटने की बजाए बढ़ी है। आजादी के आंदोलन को कमजोर करने के लिए एक तरफ मुस्लिम लीग, दूसरी तरफ हिंदू महासभा आरएसएस दो देश बनाने की बात करती थी, जबकि आजादी के आंदोलन की शाक्तियां देश में संवैधानिक सता चाहती थी, जिसमें मजबूत लोकतंत्र हो, जो समता, और स्वतंत्रता के सिद्धांतों पर आधारित है, जिसमे सभी को न्याय, बराबरी, लोकतन्त्र, धर्म निरपेक्षता और समाजवाद हो। हमें एक ऐसा देश यहां आर्थिक व सामाजिक न्याय हो। उन्होंने कहा कि हमारा संविधान मौलिक अधिकारों की बात करता है, जिसको सिर्फ़ स्वतंत्र और जवाबदेह न्यायपालिका ही सुरक्षित कर सकती है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में केन्द्र सरकार संविधान पर लगातार एक के बाद एक हमले कर रही है। संवैधानिक संस्थाएं व केंद्रीय एजेंसियां सरकार के इशारों पर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि कानून बना कर केंद्र सरकार ने चुनाव आयोग के मुख्य व अन्य आयुक्तों की नियुक्ति की सारी शक्ति अपने हाथ में ले ली, न्यायपालिका जो नियुक्ति प्रक्रिया का हिस्सा थी, उसको बाहर कर दिया। जो लोकतंत्र के लिए गंभीर खतरा बन गया, चुनाव आयोग का व्यवहार अलोकतांत्रिक व गैर पारदर्शी हो गया है। सुप्रीम कोर्ट मामले पर सुनवाई नहीं कर रहा, जबकि ये एक गंभीर विषय है।

महिलाओं और वकीलों को दोहरी चुनौतियों का सामना करना होता है

आल इंडिया लॉयर्स यूनियन के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष अनिल चौहान ने कहा कि महिला वकीलों को दोहरी चुनौतियों का सामना करनाल पड़ता है। एक तो कानून व्यवसाय की सामान्य चुनौतियां दूसरी तरफ महिला होने के नाते सामना करना पड़ता है। महिलाओं को एसोसिएशन्स व कौंसिलों में उचित प्रतिनिधित्व नहीं मिलता, जिसके लिये उन्हें आरक्षण देना होगा। मातृत्व के दो अवकाश के रूप में पांच-पांच लाख रुपये महिला वकीलों को देने की व्यवस्था हो। कानून के छात्रों को व्यवस्थित ढांचागत सुविधाओं का भारी अभाव है। महिला वकीलों की रिपोर्ट मुकेश मान व छात्र रिपोर्ट अंकिता ने रखी। इस मौके पर सात-सात सदस्यीय महिला व छात्र सब कमेटी चुनी गई। इस मौके पर राज्य सचिव कुलदीप सिंह राणा, राजविंदर सिंह चंदी, चंद्रभान, कमलेश, चांदी राम पातड़, मुकेश मान, कमलेश, सोमदत, रणधीर साथी सचिव मंडल के सदस्य मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

हिंदुस्तान में होता है भगवा आशीर्वाद

अंबाला। श्रम मंत्री अनिल विज ने आज बोल्ड ब्यान देते हुए कहा कि ''कांग्रेस ने राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) संगठन को खत्म करने के लिए मालेगांव मामले में षड्यंत्र रचा था। भगवा आतंकवाद का नाम दिया''। उन्होंने कहा कि ''हिंदुस्तान में भगवा आतंकवाद नहीं होता, हिंदुस्तान में भगवा आशीर्वाद होता है। उसी भगवा आशीर्वाद से इस देश में ज्ञान की गंगा बह रही है, उन्हीं भगवाधारियों ने इस देश की संस्कृति, मान्यताओं व पहचान को संभालकर रखा है।

बिजली समस्याओं पर होगी सुनवाई

अंबाला। अधीक्षक अंभियंता यूएचबीवीएन कार्यालय बलदेवनगर में 4 अगस्त 2025 को उपभोक्ताओं की शिकायतों का निवारण किया जाएगा। प्रातः 11 बजे से शाम 4 बजे तक बैठक का आयोजन किया जाएगा। इस बैठक की अध्यक्षता उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम के अधीक्षक अभियंता विनय कुमार गोयल करेंगे। उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम के अधीक्षक अभियंता विनोद कुमार गोयल ने बताया कि इस दौरान बिजली संबंधित समस्याओं पर सुनवाई की जाएगी।

घायलों की मदद करने पर मिलेगा इनाम

अंबाला। पुलिस अधीक्षक अजीत सिंह शेखावत ने बताया कि सड़क दुर्घटनाएं चिंता का बड़ा मुद्दा है। सरकार द्वारा विभिन्न सड़क सुरक्षा सुधार कार्यक्रम लागू किए गए है ताकि आमजन की सड़क सुरक्षा सुनिश्चित हो। सड़क दुर्घटनाओं में मौतों की संख्या में कमी लाई जा सकी। सड़क यातायात दुर्घटनाएं दुनिया भर में गम्भीर आर्थिक लागतों के साथ-साथ मृत्यु और विकलांगता का कारण बनी है। एसपी ने कहा कि भारत सरकार द्वारा सड़क दुर्घटना में घायल लोगों की जान बचाने, सड़क दुर्घटना में पीड़ितों की आपातकालीन परिस्थिति में मदद करने वाले मददगारों का मनोबल बढ़ाने तथा उन्हें प्रोत्साहित करने के लिए राहवीर स्कीम चलाई है।

टीबी मुक्त बनाने का लक्ष्य तय

नारायणगढ़। क्षयरोग (टीबी) के उन्मूलन को लेकर स्वास्थ्य विभाग द्वारा क्षेत्र में व्यापक स्तर पर प्रयास किए जा रहे हैं। 'टीबी हारेगा - देश जीतेगा' संकल्प के तहत क्षेत्र में लोगों को जागरूक करने का काम किया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग का लक्ष्य देश को टीबी मुक्त बनाना है। टीबी का इलाज संभव है - नियमित दवा जरूरी एसएमओ डॉ. प्रवीण कुमार ने बताया कि टीबी पूरी तरह से ठीक होने वाली बीमारी है।

चाकू से वार करने वाला आरोपित किया गिरफ्तार

जींद। सीआईए स्टाफ नरवाना टीम ने नरवाना में सरे बाजार एक पुरुष व महिला को चाकू मार कर घायल करने के मामले में वारदात में शामिल आरोपित को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपित की पहचान नरवाना के हनुमान नगर निवासी सुमित कुमार के रूप में हुई है। आरोपित गिरफ्तारी से बचने के लिए सिरसा ब्रांच नहर की कच्ची पटरी पर भागने की फि राक में था लेकिन सीआईए टीम ने आरोपित को मौका पर ही काबू कर लिया।

मंत्री अनिल विज बोले पीएम ने दिया था वोकल पर लोकल का नारा

रोजगार तब बढ़ेगा जब खुद निर्माण करेंगे

देश के यशस्वी प्रधानमंत्री के कुशल नेतृत्व में भारत ने न केवल, आत्मनिर्भरता की दिशा में ऐतिहासिक कदम उठाए हैं बल्कि वैश्विक मंच पर भी अपनी मजबूत पहचान भी बनाई है

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

अंबाला। मंत्री अनिल विज को सम्मानित करते कृषि विज्ञान केंद्र के पदाधिकारी।

उर्जा, परिवहन व श्रम मंत्री अनिल विज ने कहा कि ''प्रधानमंत्री ने 'वोकल फॉर लोकल' का नारा दिया है। यानि हमें अपने देश में ही चीजों का निर्माण कर उपयोग करना है क्योंकि रोजगार तब बढेगा जब हम अपने देश में ही इन चीजों एवं वस्तुओं का निर्माण करेंगे।

उन्होंने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में भारत ने न केवल आत्मनिर्भरता की दिशा में ऐतिहासिक कदम उठाए हैं बल्कि वैश्विक मंच पर भी अपनी मजबूत पहचान भी बनाई है ऊर्जा मंत्री अनिल विज शनिवार को प्रधानमंत्री किसान उत्सव कार्यक्रम के तहत कृषि विज्ञान केन्द्र तेपला में आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित किसानों को संबोधित कर रहे थे। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वाराणसी से पीएम किसान सम्मान निधि स्कीम के तहत 9 करोड 70 लाख किसानों के खाते में 20 हजार 500 करोड़ रूपए की राशि एक बटन दबाकर ऑनलाईन प्रक्रिया के माध्यम से स्थानांतरित करने का काम किया। विज ने कहा कि आज बड़ा ही खुशी का दिन है कि किसानों को पीएम किसान सम्मान निधि योजना के तहत 20वीं किस्त की राशि उनके खाते में स्थानांतरित करने का काम किया गया है।

9.70 करोड़ किसानों के खाते में 20500 करोड़ रूपए की राशि ट्रांसफर

पीएम किसान सम्मान निधि योजना के तहत जिला अम्बाला में 20वीं किस्त के तहत 46431 लाभार्थी किसानों को 9 करोड 28 लाख 62 हजार रूपए की राशि स्थानांतरित करने का काम किया गया है। उन्होंने कहा कि पूर्व की सरकार में जब देश के तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी थे तो उस समय ऊपर से 100 रूपए लाभार्थियों के लिए भेजे जाते थे लेकिन उसमें से 15 रूपए ही लाभार्थी को मिल पाते थे और 85 रूपए बिचौलिए खा जाते थे। भाजपा सरकार ने इन बिचौलियों का खात्मा करने का काम किया है। उन्होंने यह भी बताया कि पीएम किसान सम्मान निधि योजना 2019 में शुरू की गई थी और इस योजना के तहत 19वीं किस्त के रूप में 3.69 लाख करोड़ रूपए किसानों को दिए जा चुके हैं।

तीन महीने में 75 कुख्यात गैंगस्टर और अपराधी काबू

एनकाउंटर में 14 बदमाश जख्मी, दो की मौत

- आईजी पंकज नैन ने अपनी कार्यकाल की उपलब्धियां सांझा की, कहा सुरक्षा के लिए तीन जिलों में लगाए जा रहे हैं सीसीटीवी कैमरे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

अंबाला रेंज के आईजी पंकज नैन ने कहा कि आपराधियों पर पुलिस कड़ा प्रहार कर रही है। बीते तीन महीने में अंबाला रेंज की तीनों क्राइम यूनिट अंबाला, यमुनानगर व कुरुक्षेत्र ने एसटीएफ के साथ मिलकर काम किया। इस दौरान 75 गैंगस्टर और कुख्यात अपराधियों को गिरफ्तार किया। इनमें से 14 अपराधियों को एनकाउंटर में जख्मी हुए। दो कुख्यात आरोपी रोमिल वोहरा और भीम कुमार की एनकाउंटर के दौरान गोली लगने से मौत हो गई। आईजी पंकज नैन ने मीडिया से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने तीन माह के कार्यकाल के दौरान किए गए प्रमुख कार्यों एवं उपलब्धियों को सांझा किया। पुलिस महानिदेशक ने बताया कि यमुनानगर के रोमिल वोहना 24 जून को एसटीएफ हरियाणा व दिल्ली पुलिस के साथ मुठभेड़ में मारा गया। वह काला राणा गैंग का मुख्य शूटर था। उस पर खेड़ी लक्खा सिंह ट्रिप्पल मर्डर केस जिला यमुनानगर, शांतनु (शराब कारोबारी) हत्या केस शाहाबाद सहित शराब के ठेकों, इमिग्रेशन सेंटरों व घरों पर फायरिंग करने के कुल 8 मामले दर्ज थे। उस पर तीन लाख रुपये का इनाम भी घोषित था। इसी तरह रायपुर गांव जिला अयोध्या के भीम कुमार उर्फ अर्जुन जोकि वर्तमान में यमुनानगर के आजाद नगर में रह रहा था और वह यमुनानगर में 14 जुलाई को जबरन वसूली से संबंधित दो मामलों में वांछित था। 30 जुलाई को यमुनानगर पुलिस टीम के साथ वह एक मुठभेड़ में मारा गया। उस पर हत्या के प्रयास और फिरौती मांगने सहित 10 मुकदमे दर्ज थे। वह नोनी राणा का नया शूटर था जो अपने आप को रोमिल वोहरा की राह पर ले जाना चाहता था। इसके निशाने पर कुरुक्षेत्र का एक शराब कारोबारी भी था। उस पर 20 हजार रुपये का इनाम भी घोषित था। उन्होंने बताया कि अंबाला रेंज के तीनों जिलों में कुल 690 सीसीटीवी कैमरे लगवाए गए हैं। इससे न केवल अपराध नियंत्रण में मदद मिली बल्कि अपराधियों को पकड़ने में भी मदद मिली है। इसके अतिरिक्त जिला यमुनानगर में 227 सीसीटीवी कैमरे लगाने का कार्य अभी चल रहा है। उन्होंने बताया कि संगठित अपराधी जो बड़े अपराध को जन्म देते है, उनका नेटवर्क तोड़ा गया है। विशेष टीमें बनाकर कुल 90 व्यक्तियों को जुआ व सट्टा खेलते हुए पकड़ा गया है। उनसे चार लाख 56 हजार 85 रुपये बरामद किए गए हैं। 224 व्यक्तियों को अवैध रूप से शराब बेचने तथा 225 व्यक्तियों को नशीले पदार्थ बेचने के संबंध में गिरफ्तार किया गया है।

स्नातकोत्तर कक्षाओं के लिए दाखिले शुरू, चार तक फीस जमा करवा दाखिला लेने का मौका

- ज्यादा कॉलेजों में दाखिला प्रक्रिया पूरी होने के बाद कक्षाएं लगनी शुरू, व्यक्तिगत काउंसलिंग से 12 तक आवेदक को मिलेगा दाखिला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

4 तक चलेंगे दूसरी काउंसलिंग के दाखिले

राजकीय बहुतकनीकी व कल्पना चावला राजकीय महिला बहुतकनीकी संस्थान में दूसरी ऑनलाइन काउंसलिंग के तहत 4 अगस्त तक दाखिले किए जाएंगे। राजकीय बहुतकनीकी संस्थान के दाखिला नोडल अधिकारी धर्मवीर सैनी ने बताया कि संस्थान के सभी 8 कोर्स में 600 सीट में से 377 से ज्यादा सीट पर दाखिले हो चुके हैं। उन्होंने बताया कि 5 अगस्त तक ओपन काउंसलिंग के लिए अभ्यर्थी आवेदन कर सकते हैं। इस काउंसलिंग के तहत 5 अगस्त तक आवेदन लिए जाएंगे, इसके बाद 7 और 8 अगस्त को ओपन काउंसलिंग कर मेरिट अनुसार दाखिले किए जाएंगे।

जिले के कॉलेजों में स्नातक की कक्षाओं में दाखिले के लिए स्नातकोत्तर स्तर पर दाखिले शुरू हो गए हैं। इसके लिए कोर्स में दाखिले को लेकर सूची जारी हो चुकी है। अब आवेदक 4 अगस्त तक फीस जमा करवाकर दाखिला ले सकेंगे। 5 अगस्त को बची सीट पर व्यक्तिगत काउंसलिंग के तहत दाखिला किया जाएगा। 6 अगस्त को दोबारा ऑनलाइन पोर्टल खुलेगा। व्यक्तिगत काउंसलिंग से 6 से 12 अगस्त तक आवेदक दाखिला ले सकेंगे।

कॉलेजों में स्नातक स्तर पर कक्षाएं लगनी हुई शुरू

स्नातक स्तर पर अभी दाखिले बंद होने के बाद कक्षाएं लगनी शुरू हो गई हैं। पिछले करीब पांच दिन से कक्षाएं लग रही है। विद्यार्थियों की पढ़ाई शुरू होने के साथ ही कॉलेजों में विद्यार्थियों को सुविधाओं से अवगत करवाया जा रहा है। दूसरी तरफ कॉलेज में स्नातक में बची सीट को भरने के लिए दोबारा पोर्टल खुल सकता है।

सभी हाउस के कैप्टन व वाइस कैप्टन को दी जिम्मेदारी

- पुलिस डीएवी स्कूल में आयोजित हुआ अलंकरण समारोह

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

अंबाला। प्रिंसिपल के साथ सभी हाउस के कैप्टन।

अंबाला शहर के पुलिस डीएवी पब्लिक स्कूल में शनिवार को अलंकरण समारोह का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस अवसर पर स्टूडेंट काउंसिल के सदस्यों का अलंकरण समारोह विद्यालय के ऑडिटोरियम में आयोजित किया गया। इसमें कक्षा प्रथम से लेकर बारहवीं कक्षा तक के सभी चारों हाउस के कैप्टन , वाइस कैप्टन , प्रीफेक्ट्स की बैच सेरामनी करवाई गई। इसके अंतर्गत सभी हाउस में से सीनियर ,वाइस , कल्चरल व स्पोर्ट्स कैप्टन के साथ प्रीफेक्ट्स का चयन किया गया। चारों विंग्स के सीनियर , वाइस , स्पोर्ट्स व कल्चर कैप्टन तथा प्रीफेक्ट्स को विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. विकास कोहली द्वारा बैच प्रदान किए गए तथा साथ ही सभी हाउस के सीनियर कैप्टन को शैशे और हाउस का फ्लैग भी दिया गया। सभी काउंसिल सदस्यों ने सत्र 2025-26 की कार्यवाही में सहयोग देने और सभी दायित्वों का पालन करने एवं स्कूल के अनुशासन व कार्य संचालन में पूरा योगदान देने की शपथ ली। स्कूल के प्रधानाचार्य डॉ. विकास कोहली ने सभी हाउस के कैप्टन को बधाई दी और उन्हें मन लगाकर अपनी जिम्मेदारी निभाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि विद्यालय अगर अपने विद्यार्थियों को जिम्मेदारी और अनुशासन सिखाता है तो कल को वह बच्चे एक उत्तम उन्नत समाज का निर्माण करते हैं। उन्होंने अनुशासन के विषय में कहा कि पहले हम स्वयं अनुशासित हो फिर दूसरों को अनुशासित करें। कार्यक्रम के दौरान स्कूल के विद्यार्थियों ने ओर्केस्ट्रा की धुनों पर बहुत ही सुंदर प्रस्तुति दी । गुरसिदक ने बहुत ही सुंदर गीत से ऑडियंस का मन मोह लिया था।

गीता निकेतन आवासीय विद्यालय में विज्ञान सप्ताह समारोह

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

गीता निकेतन आवासीय विद्यालय ने छात्रों में वैज्ञानिक सोच, जिज्ञासा और नवाचार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 28 जुलाई से 2 अगस्त 2025 तक विज्ञान सप्ताह मनाया। यह कार्यक्रम महान वैज्ञानिकों और समाज में उनके उल्लेखनीय योगदान को समर्पित था। प्रत्येक दिन की प्रातःकालीन सभा में 4-5 मिनट की रोचक गतिविधियाँ शामिल थीं, जिनमें प्रस्तुतियाँ, विज्ञान संबंधी तथ्य, कविताएँ, प्रेरक वाताएँ और सजीव प्रयोग शामिल थे। छात्रों ने शुभांशु शुक्ला के अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन तक के प्रेरक सफर का भी आनंद लिया और एक विज्ञान प्रश्नोत्तरी में भाग लिया। आइजैक न्यूटन, निकोला टेस्ला और डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम पर प्रेरक प्रस्तुतियाँ भी आकर्षण का केंद्र रहीं, जिन्होंने वैज्ञानिक मूल्यों और सपनों में रुचि जगाई। ग्यारहवीं कक्षा के छात्रों द्वारा विज्ञान प्रयोगों के सजीव प्रदर्शनों सहित एक विशेष सत्र सप्ताह का मुख्य आकर्षण रहा। सप्ताह का समापन भारतीय रसायन विज्ञान के जनक डॉ. प्रफुल्ल चंद्र रे की जयंती पर एक प्रस्तुति के साथ हुआ। कार्यक्रम ने विज्ञान और अनुसंधान के प्रति प्रेम को सफलतापूर्वक बढ़ावा दिया और युवा मस्तिष्कों को सोचने, प्रश्न करने और नवाचार करने के लिए प्रेरित किया।

'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत छात्रों ने किया पौधरोपण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बराड़ा

बराड़ा। पौधरोपण करते हुए बीइओ।

पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, उगाला में /"एक पेड़ मां के नाम/" अभियान के तहत वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह अभियान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नायब सैनी के आह्वान पर चलाया गया। इसका उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ मातृत्व के प्रति सम्मान प्रकट करना है। इस अवसर पर खंड शिक्षा अधिकारी जगदीश मेहरा की अगुवाई में विद्यालय प्रांगण में वृक्षारोपण किया गया। उन्होंने स्वयं भी एक पौधा लगाकर पर्यावरण के प्रति जागरूकता का संदेश दिया। उन्होंने विद्यार्थियों और अध्यापकों को संबोधित करते हुए कहा, /"हर व्यक्ति को अपनी मां की स्मृति और सम्मान में कम से कम एक पेड़ अवश्य लगाना चाहिए। पेड़ न केवल हमें जीवनदायिनी ऑक्सीजन प्रदान करते हैं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ वातावरण भी उपलब्ध कराते हैं।/" इस अभियान के अंतर्गत विद्यालय परिसर के अलावा गांव के विभिन्न सार्वजनिक स्थलों पर भी छायादार व फलदार पौधे लगाए गए। विद्यालय के विद्यार्थियों, अध्यापकों और ग्रामीणों ने बढ़-चढ़कर इस अभियान में भाग लिया।

मॉक पार्लियामेंट सत्र में छात्रों ने दिखाई अपनी सियासी सूझबूझ

बराड़ा। कार्यक्रम में भाग लेने वाले प्रतिभागी।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बराड़ा

अकाल एकादमी होली के सामाजिक विज्ञान विभाग द्वारा शनिवार को विद्यालय परिसर में एक मॉक पार्लियामेंट सत्र का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को संसदीय प्रक्रिया का व्यवहारिक अनुभव प्रदान करना तथा लोकतांत्रिक मूल्यों और प्रक्रियाओं की गहरी समझ विकसित करना था। सत्र के दौरान विद्यालय के सभी सदनों के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और प्रधानमंत्री, लोकसभा अध्यक्ष, मंत्रिमंडल के सदस्य एवं विपक्ष के प्रतिनिधियों की भूमिका का प्रभावी निर्वहन किया। विद्यार्थियों ने बहस, प्रश्नकाल और विधेयक प्रस्तुत करने जैसी संसदीय गतिविधियों को बखूबी प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन सुनियोजित ढंग से किया गया और अंत में प्रतिभागिता, टीमवर्क तथा प्रस्तुति कौशल के आधार पर अमूल हाउस को मॉक पार्लियामेंट गतिविधि का विजेता घोषित किया गया।

शराब के नशे में भाई ने ही की थी भाई की हत्या, पूछताछ में खुला राज

नारायणगढ़। भूरेवाला गांव के मछली पालन फार्म पर काम करने वाले दिनेश कुमार की मौत का राज खुल गया है। पुलिस ने मृतक के भाई मनोज कुमार से जब सख्ती से पूछताछ की तो उसने मौत का राज उगल दिया। मनोज ने बताया कि वो दोनों घटना के दिन रात को शराब पी रहे थे। इस दौरान उनकी किसी मुद्दे पर बहस हो गई और उसने नजदीक ही पड़े धारदार हथियार से उसकी हत्या कर दी। वहीं जान बचाने के लिए उसने झूठ बोला कि उसका भाई दिनेश तालाब में गिरकर मर गया था। दोनों भाई भूरेवाल गांव में एक मछली पालन फार्म पर काम करते थे और फार्म के मालिक मोहाली निवासी मानवेंद्र सिंह की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज करके मनोज को गिरफ्तार किया था।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20, फोन : 9253681010, 9253681005

रि केवाईएस के बारे में भी दी विस्तार से जानकारी, ग्रामीणों ने दिखाई कार्यक्रम में दिलचस्पी

ग्रामीणों को किया डिजिटल अरेस्ट को लेकर जागरूक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मुलाना

मुलाना। लगाए गए स्टालों का अवलोकन करते मुख्यअतिथि व अन्य।

आरबीआई और पंजाब एंड सिंध बैंक द्वारा वित्तीय समावेशन परिपूर्णता अभियान के तहत यहां एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इसमें बतौर मुख्यातिथि आरबीआई क्षेत्रीय निदेशक विवेक श्रीवास्तव ने शिरकत की। समारोह की अध्यक्षता पंजाब एंड सिंध बैंक के कार्यवाहक निदेशक रवि मेहरा ने की। कार्यक्रम का उद्देश्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि सरकारी सभी वित्तीय योजनाओं सहित प्रमुख योजनाओं- प्रधानमंत्री जन धन योजना , प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना , प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना , और अटल पेंशन योजना का लाभ लगभग 2.70 लाख ग्राम पंचायतों और शहरी स्थानीय निकायों में प्रत्येक पात्र नागरिक तक पहुंचे। इसके साथ-साथ मौजूद ग्रामीणों को साइबर क्राइम, वित्तीय सुरक्षा बारे भी जागरूक किया। यहां पहुंचने पर पूर्व सरपंच नरेश चौहान, मनन कालड़ा, शिवांशु नागपाल, राजेश कुमार, अनिल बत्रा, लव मलिक व अन्य गणमान्यों द्वारा मुख्यातिथि का स्वागत किया गया । रवि मेहरा ने मौजूद लोगों को रि केवाईसी सहित डिजिटल अरेस्ट व अन्य जागरूकता बारे विस्तार से बताया । उन्होंने कहा कि डिजिटल अरेस्ट जैसा कुछ भी नहीं होता ।

इससे बचने के लिए जागरूकता जरूरी है। उन्होंने कहा कि बैंकों द्वारा रि केवाईसी की जाती है। जिसमें उपभोक्ता को सहयोग करना चाहिए और बैंक आकर रि केवाईसी कर अपना बैंक खाता सुरक्षित रखने में बैंक का सहयोग करना चाहिए। उन्होंने बैंक द्वारा जारी अहम योजनाएं सबको बताई ।

मुख्यअतिथि विवेक श्रीवास्तव ने केवाईसी अप टू डेट रखने की बात कही और बताया कि कभी भी पैसों को दोगुना करने की बातों में न आए । पैसा कुछ दिनों या महीनों में दोगुना नहीं होता। इसके लिए सभी जागरूक रहें और अपनी जीवन की कीमती कमाई को ठगों के हाथों बर्बाद न करें । उन्होंने बताया कि अपने बैंक खाते का दुरूपयोग कतई न करें । इसे अब किसी को प्रयोग न करने दें। इस पर अब कानून भी सख्त हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार की सभी वित्तीय योजनाओं को गांव हो या शहर हर व्यक्ति तक पंहुचाना ही हमारा उद्देश्य है। मौके पर बैंक द्वारा लगाई गई जागरूकता स्टॉलों का भी मुख्यातिथि द्वारा अवलोकन किया गया ।

ये रहे मौजूद

मौके पर पंजाब एंड सिंध बैंक के जनरल मैनेजर चमन लाल सिंह , आरबीआई जनरल मैनेजर पंकज सेठिया आरबीआई मैनेजर दीपक सिंगला पंजाब एंड सिंध बैंक जोनल मैनेजर मनोज कुमार ,कर्मजीत सिंह एफजीएम ऑफिस चंडीगढ़ ,पंजाब एंड सिंध बैंक मुलाना ब्रांच का स्टाफ सहित व भारी संख्या में ग्रामीण भी मौजूद रहे।

देश के पूर्वोत्तर राज्य मेघालय की राजधानी शिलांग के उत्तर-पूर्व में खासी पहाड़ियों के बीच बसा मॉसिनराम ग़ांव विश्व में सर्वाधिक वर्षा वाले स्थान के रूप में जाना जाता है। साल में लगभग आठ महीने बारिश से भीगने वाले इस गांव की अनेक विशेषताएं इसे दुनिया में अलग पहचान प्रदान करती हैं। क्यों होती है यहां इतनी बारिश, कैसे रहते हैं स्थानीय लोग वहां, विस्तार से जानिए।

बादलों और बारिश का बसेरा
मॉसिनराम गांव

टूरिस्ट स्पॉट / वीना गौतम

चाहे कोई शहर हो, कस्बा हो या फिर गांव, हर जगह की अपनी एक निजी पहचान, कुछ अलग विशेषता होती है। यही विशेषता उस स्थान विशेष को एक लैंडमार्क के रूप में स्थापित करती है। भारत में ऐसा ही एक स्थान है, मेघालय की राजधानी शिलांग में स्थित मॉसिनराम गांव।

सर्वाधिक वर्षा वाला स्थान

आज से कुछ दशक पूर्व तक चेरापूंजी विश्व के सर्वाधिक वर्षा वाले स्थान के रूप में जाना जाता था। लेकिन अब मॉसिनराम को सर्वाधिक वर्षा वाले स्थान का खिताब प्राप्त है। दरअसल, 1973 से 2019 के बीच मौसम विज्ञान के डेटा के मुताबिक चेरापूंजी में मॉसिनराम से 0.42 मिलीलीटर कम बारिश होने लगी थी। इस अंतर को देखते हुए सर्वाधिक वर्षा वाले स्थान का जो ताज चेरापूंजी के सिर पर हुआ करता था, वह मॉसिनराम नामक गांव के सिर पर सज गया।

इसलिए होती है सर्वाधिक बारिश

सवाल है आखिर मॉसिनराम में दुनिया की सबसे ज्यादा बारिश कैसे होती है? जबकि दुनिया में सबसे ज्यादा बारिश वाली जगहें आमतौर पर भूमध्य रेखा के आस-पास होती हैं। दुनिया में भौगोलिक रूप से देखा जाए तो सबसे ज्यादा बारिश दक्षिण अमेरिका, मध्य-पश्चिमी अफ्रीकी देशों और कुछ दक्षिण-पूर्वी एशिया के देशों में होती है। फिर मॉसिनराम ने दुनिया में सबसे ज्यादा बारिश की बाजी कैसे मार ली? इसका जवाब है कि आमतौर पर मई से सितंबर तक यहां जो बारिश होती है, उसका सबसे बड़ा कारण इस गांव की अपनी खास भौगोलिक स्थिति है। शिलांग से लगभग 60 से 65 किलोमीटर दूर उत्तर पूर्वी दिशा में खासी पहाड़ियों के बीच बसा यह गांव अपनी विशेष स्थिति के कारण दक्षिण-पश्चिम मानसून के दौरान पानी से भरी बदलियों का डेरा बन जाता है। खासी पहाड़ियों की खास स्थिति इन पानी से भरी बदलियों को आवभगत के लिए रोकती है और ठीक तभी बंगाल की खाड़ी से आने वाली गर्म और नम हवाएं इन्हें यहां झूमकर बरस जाने के लिए मजबूर कर देती हैं। 1491 मीटर ऊंची खासी पहाड़ियों के कारण ही इन बादलों की नमी संघनित होकर बारिश में बदल जाती है।

बांस के छाते से खुद को भीगने से बचाते स्थानीय लोग

पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र

हर वर्ष मई से सितंबर तक यहां प्रायः हर रोज कम से कम एक बार तो झूमकर बादल बरसते ही हैं। यही नहीं ये बादल दिन के ज्यादातर समय यहां डेरा डाले रहते हैं। पहले देश-विदेश के लोग चेरापूंजी इसलिए घूमने जाया करते थे कि यह भारत और दुनिया में सबसे ज्यादा बारिश वाली जगह थी, उसी तरह अब लोग मॉसिनराम जाते हैं। पर्यटकों की वजह से यहां के लोगों के आय का स्रोत भी थोड़ा बढ़ा है। चेरापूंजी के सिर से हालांकि सर्वाधिक बारिश वाला ताज तो इसके पड़ोसी मॉसिनराम ने छीन लिया, लेकिन आज भी चेरापूंजी दुनिया में दूसरे नंबर के सबसे ज्यादा बारिश वाली जगह बनी हुई है। मॉसिनराम का मौसम सालभर ठंडा और ह्यूमिड यानी नमी वाला रहता है। हां, इसके बावजूद यह जगह अपनी प्राकृतिक सुंदरता के लिए पर्यटकों को आकर्षित करती है। यही कारण है कि शिलांग या चेरापूंजी घूमने का कार्यक्रम बनाने वाले लोग अब मॉसिनराम को भी अपने पर्यटन शिड्यूल शामिल करते हैं। क्योंकि यह भारत के नक्शे में एक विशिष्ट लैंडमार्क है।

दुनिया का सर्वाधिक नम स्थान भी है मॉसिनराम

ये खूबियां बनाती हैं खास

इस गांव की अपनी कई और खूबियां भी हैं। हर समय बारिश होने के कारण यहां पानी में उगने वाली कई पत्तेदार सब्जियां खूब मिलती हैं। कई तरह के मौसमी फल भी यहां खूब मिलते हैं। पानी भरपूर होने के कारण मछलियां भी खूब पाई जाती हैं। देश के दूसरे हिस्सों में जब बारिश होती है तो आमतौर पर जनजीवन ठहर सा जाता है। लेकिन मॉसिनराम गांव में ऐसा नहीं होता। यहां के लोग बारिश के बीच चलते-फिरते और घूमते रहते हैं। यहां के बाशिंदे बारिश के समय भीगने से बचने के लिए खास तरह के बांस के बने छातों का इस्तेमाल करते हैं, जिन्हें कनूप कहते हैं। यह कनूप सिर्फ यहां की ही नहीं चेरापूंजी की भी पहचान है। दरअसल, इससे यहां के लोगों का कमर तक शरीर ढका रहता है और वे अपने सारे काम करते रहते हैं।

इसके नाम गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड

मॉसिनराम के पास दुनिया में सबसे ज्यादा बारिश का गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड है। यहां पूरे साल में करीब 6 से 8 महीने लगभग हर दिन एक बार बारिश होती है और यहां देश के किसी भी बाकी हिस्से से लगभग 10 गुना ज्यादा बारिश होती है। एक साल में लगभग 11,871 मिलीमीटर। इतनी ज्यादा बारिश दुनिया में और कहीं नहीं होती। मॉसिनराम गांव, दुनिया में सबसे गीली जगह भी है। यहां पर 'वेटेस्ट प्लेस ऑफ अर्थ' का साइन बोर्ड भी लगा हुआ है।

हालांकि मॉसिनराम के दावे को चुनौती देने के लिए कुछ सालों पहले कंबोडिया के एक शहर यूरो ने दावा किया था कि उसके यहां साल में 12,717 मिलीलीटर बारिश होती है, लेकिन जब गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स द्वारा उसके दावे की जांच की गई, तो यह गलत पाया गया। माना गया कि शायद बारिश को नापने का उसका पैमाना, पुराना और पारंपरिक है, जिससे उनसे यह गलतफहमी हुई। *

वास्तव में जीरो नहीं होता है
लोन पर जीरो इंटरेस्ट

आकर्षक डिस्काउंट, जीरो इंटरेस्ट पर लोन जैसे प्रलोभनों के जाल में अकसर लोग फंस जाते हैं। इन ऑफर्स या लोन पर सामान खरीदना क्या वास्तव में फायदेमंद होता है? इसकी हकीकत आपको पता होनी चाहिए।

मनी मैटर्स / शिखर चंद जैन

चाहे 15 अगस्त हो या 26 जनवरी, क्रिसमस हो या न्यू ईयर, वैलेंटाइन-डे हो, वूमेंस-डे हो, दीपावली हो या होली, प्रायः हर फेस्टिवल, खास ऑकेजन पर प्रोडक्ट निर्माता कंपनियां अपने ग्राहकों को लुभाने के लिए तरह-तरह के ऑफर्स देती हैं। साथ ही कई डीलर या उनके साथ मिलकर काम करने वाले फाइनेंसर 'जीरो इंटरेस्ट' ईएमआई पर घरेलू उपकरण देने की पेशकश भी करते हैं। अकसर ग्राहक ऑफर्स के ऐसे भ्रम जाल में फंस जाते हैं।

जीरो इंटरेस्ट का फंडा: ईएमआई या लोन पर घरेलू सामान या मशीनरी की खरीद करते समय अच्छी तरह जान लें कि डीलर या फाइनेंसर मुफ्त समाज सेवा करने के लिए नहीं बैठा है। वे अपनी रकम के बदले ब्याज वसूल करते हैं। जीरो इंटरेस्ट के पीछे एक चतुराई भरा हिसाब-किताब होता है। पहली बात, नकद खरीद में एकमुश्त पैसा देकर खरीदने पर इलेक्ट्रिक आइटमों पर काफी डिस्काउंट दिया जाता है, जो ब्रांड और सामान की क्वालिटी पर निर्भर करता है। कई बार तो यह एमआरपी पर 40 फीसदी तक भी हो सकता है। लेकिन जब आप किश्तों पर सामान खरीदते हैं, तो सारा हिसाब-किताब एमआरपी के हिसाब से ही किया जाता है। मामूली डिस्काउंट दे भी दिया जाए, तो एडमिनिस्ट्रेशन या सर्विस चार्ज के नाम पर आपसे वसूली कर ली जाती है। साथ ही आप खरीददारी के वक्त जो डाउन पेमेंट देते हैं, वो हाथों-हाथ देने के बावजूद उस पर भी ब्याज जोड़ लिया जाता है। याद रखें, 'जीरो इंटरेस्ट' का ऑफर, प्रायः प्रोडक्ट की सेल बढ़ाने का मात्र एक तरीका होता है। सच तो यह है कि ज्यादातर फाइनेंस करने वाला, लोन की रकम पर पूरा ब्याज वसूलता है। लोन पर या किश्तों पर घरेलू उपकरण खरीदना अधिकांश मामलों में घाटे का सौदा ही होता है।

ऐसे भी मिल सकता है डिस्काउंट: कई बार डीलर आपको काफी डिस्काउंट और बहुत कम एडमिनिस्ट्रेटिव फीस में भी ईजी इंस्टॉलमेंट पर सामान देने के लिए तैयार हो जाता है। ऐसा करने के पीछे कुछ कारण होते हैं। जैसे- सामान को स्टॉक में रखने और हैंडल करने की बजाय बेचने में लाभ, वैसे गैजेट्स या उपकरण का कोई नया मॉडल बाजार में आ चुका हो या आने वाला हो, जिससे उसकी मांग में गिरावट आ सकती हो, काफी दिनों से स्टॉक में रहने के बावजूद उस मॉडल की बाजार में खास मांग न आ रही हो। इन स्थितियों में उपकरण की लाइफलाइन बहुत कम हो जाती है और रीसेल वैल्यू भी गिर जाती है। इसलिए प्रोडक्ट की पूरी जानकारी लेकर ही उसे खरीदें।

इन बातों पर विचार कर लें: अगर आपको लोन या किश्तों पर सामान खरीदना ही हो, तो डीलर से कंज्यूमर लोन लेने की बजाय दूसरे विकल्पों पर विचार करके देखें। अगर आपके अपने बैंक डिपॉजिट पर कम ब्याज दर पर लोन मिल रहा हो या उससे कम ब्याज दर पर पर्सनल लोन मिल रहा हो, तो उस पर विचार करें। क्रेडिट कार्ड पर सामान खरीदना तो कई बार और भी महंगा ऑप्शन साबित हो सकता है।

समझें जरूरत-दिखावे का अंतर: कई बार लोग जरूरत न होने पर भी देखा-देखी या दिखावे के चक्कर में अनावश्यक घरेलू सामान खरीद लेते हैं। यहां ध्यान देने की बात यह है कि घरेलू सामान या उपकरणों की रीसेल वैल्यू बहुत कम होती है। साथ ही इन प्रोडक्ट्स का लाइफ स्पैन भी काफी कम होता है। इसलिए ये सामान तभी खरीदें, जब आपको इनकी जरूरत हो। जीरो इंटरेस्ट के छलावे में आकर सिर्फ दिखावे के लिए ऐसे सामानों की खरीद, आपके घरेलू बजट पर बुरा असर डाल सकती है।

तुलनात्मक लाभ को समझें: अगर आप अपने पास पर्याप्त रकम होने के बावजूद लोन पर सामान खरीद रहे हैं, तो ऐसा करना तभी ठीक होगा जब आप अपनी रकम को किसी ऐसी जगह निवेश कर रहें हों, जहां से तुलनात्मक रूप से आपको ज्यादा रिटर्न (फायदा) मिल सकता है। ऐसी स्थिति में आप फायदे में रहेंगे। अन्यथा लोन लेना सही नहीं रहेगा। *

दायित्व / विजय सिंह चौहान

जब हम किसी के लिए कुछ अच्छा या उसकी मदद करते हैं तो इससे उस जरूरतमंद इंसान का भला तो होता ही है, हमें भी संतुष्टि मिलती है। इसलिए ऐसे अवसर को कभी न गवाएं।

जितना हो सके संभव
बनें किसी का सहारा

एक वृक्ष बिना किसी अपेक्षा के हमें छाया देता है, फल-फूल देता है, लकड़ी और प्राण वायु तक देता है। वह न तो कुछ संजोता है और न ही प्रतिदान की आकांक्षा रखता है। उसका समर्पण पूर्णतः निःस्वार्थ होता है। पेड़ ही नहीं पूरी प्रकृति हमें देना, दूसरों का भला करना सिखाती है। प्रकृति का मौन संदेश है-सब कुछ देकर भी विनम्र बने रहना।

हम समझें अपना दायित्व: मानव होने के नाते हमारा भी यह उत्तरदायित्व बनता है कि हम समाज के प्रति अपने कर्तव्यों को जानें, समझें और उन्हें निभाएं। किसी भटके को राह दिखाना, लड़खड़ाते को थाम लेना, निराश को आशा देना-एक इंसान, एक सामाजिक प्राणी होने के नाते हमारा सामाजिक दायित्व है।

मनुष्य होने की सार्थकता: जब भी किसी जरूरतमंद की मदद करने की बात आती है, तो कई लोगों के मन में यह प्रश्न उठता है, 'मैं ही क्यों मदद करूं?' जरा ध्यान से सोचें, तो इस प्रश्न का उत्तर हमें स्वयं ही मिल जाएगा। आज हम आभासी दुनिया में उलझे हुए हैं, मानवीय संवेदनाएं सूखती जा रही हैं। हम समस्याओं को पहचानते हैं, उन पर चर्चा भी करते हैं, पर रुक कर किसी की सहायता करना जैसे भूलते जा रहे हैं। यदि हमारा छोटा-सा प्रयास, हमारी थोड़ी-सी मदद किसी के जीवन में रोशनी भर सकती है, तो हमें इस तरह के प्रयास जरूर करने चाहिए। ऐसा न करके हम एक जरूरतमंद-लाचार को मदद से वंचित तो रखते ही हैं, साथ ही यह एक इंसान के रूप में स्वयं से भी छल है। मनुष्य वही है, जो मनुष्य के काम आए। इसलिए अगर आप समर्थ हैं तो आपको अपने सामर्थ्य के अनुसार किसी जरूरतमंद की मदद जरूर करनी चाहिए। ध्यान रखें, वास्तविक परोपकार केवल दान-पुण्य तक सीमित नहीं होता। यह एक सोच है, एक जीवनशैली जो हमें 'मनुष्य' होने के सही अर्थ से जोड़ती है।

हम क्या कर सकते हैं: अगर मन में परोपकार की सच्ची भावना है, तो हम कई तरह से किसी जरूरतमंद की मदद कर सकते हैं। किसी निर्धन बालक की शिक्षा में सहयोग करें, उसे किताबें दें या थोड़ा-सा समय निकाल कर स्वयं पढ़ाएं। ज्ञान का दीपक एक बार जल जाए, तो वह अनेक दीपों को रोशन कर सकता है। अगर आपके पास आर्थिक संसाधन सीमित हों तो तन से सेवा करें। वृक्षारोपण, जल संरक्षण, अस्पतालों या वृद्धाश्रमों में सहयोग कर सकते हैं। रक्तदान जैसे महादान के माध्यम से भी हम मानव सेवा या परोपकार कर सकते हैं।

व्यवहार से परोपकार: आप अपनी वाणी, अपने व्यवहार से भी किसी को उपकृत कर सकते हैं, किसी का संबल बन सकते हैं। आज असंख्य लोग अवसाद और अकेलेपन से जूझ रहे हैं, विशेष रूप से हमारे बुजुर्ग। ऐसे में अपनत्व भरे दो शब्द उनके जीवन की संध्या में उजास भर सकते हैं। किसी बुजुर्ग का हाथ थाम लेना, उनकी मन की सुन लेना, यह छोटा-सा आत्मीय व्यवहार उनके लिए अमूल्य हो सकता है।

कर सकते हैं सार्थक प्रयास : सेवानिवृत्त हो चुके बुजुर्ग और कुशल युवा, समाज के जरूरतमंद तबकों की मदद करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। अपने अनुभव और ज्ञान से वे जरूरतमंद युवाओं और किशोरों को आत्मनिर्भर बनने में मार्गदर्शन दे सकते हैं। उनकी यह सेवा तात्कालिक नहीं, दीर्घकालिक प्रभाव वाली होगी।

दीर्घकालिक संस्कार: जब हम यह सोचने लगते हैं, 'मैं समाज को क्या दे सकता हूं?' तभी हम सच्चे अर्थों में मनुष्यत्व के नजदीक पहुंचते हैं। हमारा एक छोटा-सा प्रयास किसी के जीवन में आशा बनकर खिल सकता है। वास्तव में, परोपकार कोई क्षणिक भाव नहीं, बल्कि दीर्घकालिक संस्कार है। तो आइए समाज को कुछ देने का हर संभव प्रयास करें। *

फिल्म-ट्रेंड / हेमंत पाल

बॉलीवुड में जिन रिश्तों या भावनाओं को आधार बनाकर कई सफल फिल्में बनीं, उनमें से एक दोस्ती भी है। इन फिल्मों को दर्शकों ने भी खूब पसंद किया। दोस्ती के अलग-अलग रंगों से सजी कुछ फिल्मों पर एक नजर।

फिल्मों में खूब नजर आए हैं
दोस्ती के अलग-अलग रंग

'दोस्ती' ने कायम की फिल्मी दोस्ती की मिसाल

'सौदागर' में दिखी राजकुमार-दिलीप कुमार की दोस्ती

हम सभी की जिंदगी में दोस्त बहुत अहमियत रखते हैं। यही वजह है कि जिंदगी के अलग-अलग शेड्स को सिल्वर स्क्रीन पर पेश करने वाले फिल्मकारों ने भी दोस्त और दोस्ती की फीलिंग पर कई यादगार फिल्में बनाई हैं। हिंदी फिल्मों के शुरुआती दौर से कई ऐसी फिल्में बनी हैं, जिनमें दोस्ती के रिश्ते को बड़ी ही खूबसूरती के साथ पेश किया गया। दोस्ती पर आधारित ऐसी कई फिल्में हैं, जिन्हें दर्शकों का भरपूर प्यार मिला।

मील का पत्थर बनी 'दोस्ती': जब भी दोस्त और दोस्ती पर बनी फिल्मों का जिक्र होता है, 1964 में राजश्री प्रोडक्शन की फिल्म 'दोस्ती' के बिना बात पूरी नहीं होती। अपने समय की यह सुपरहिट फिल्म थी। फिल्म में शारीरिक रूप से अक्षम दो गरीब दोस्तों रामू और मोहन की कहानी दिखाई गई है। फिल्म में रामू (सुशील कुमार सोमैया) पैर से अक्षम होता है और मोहन (सुधीर कुमार सावंत) की आंखें नहीं होती हैं। वे दोनों एक-दूसरे के साथ मिलकर जीवन की चुनौतियों का सामना करते हैं। दोस्ती जैसे विषय पर बनी फिल्मों के बीच एक मील का पत्थर है यह फिल्म। उसके बाद तो दोस्ती की मिसाल वाले इस विषय को कई बार घुमा फिराकर परोसा जाता रहा। 'दोस्त', 'खुदगर्ज' 'चश्मेबद्दूर' और 'काई पो चे' में दोस्ती को अलग-अलग ढंग से पेश किया गया।

इन कलाकारों ने कई फिल्मों में निभाई दोस्ती: बॉलीवुड के बिग बी यानी अमिताभ बच्चन की कई फिल्मों का केंद्रीय विषय दोस्ती रहा। 'जंजीर', 'शोले', 'नमक हराम', 'हेराफेरी', 'शान', 'सुहाग', 'दोस्ताना', 'मुकद्दर का सिकंदर' जैसी फिल्मों को याद कीजिए। इन सभी सफल फिल्मों में अमिताभ और अन्य कलाकारों के बीच की दोस्ती के विभिन्न रंगों को अलग-अलग ढंग से पेश किया गया। 'हेराफेरी', 'मुकद्दर का सिकंदर' में अमिताभ और विनोद खन्ना की दोस्ती दिखाई गई। 'दोस्ताना' में शत्रुघ्न सिन्हा के साथ अमिताभ की दोस्ती मिसाल के रूप में याद की जाती है। 'शोले' में जय (अमिताभ बच्चन) और वीरू (धर्मेंद्र) की दोस्ती को कौन भूल सकता है भला! अमिताभ और धर्मेंद्र की दोस्ती बाद में 'चुपके-चुपके' और 'राम बलराम' जैसी फिल्मों में भी दिखी। राजेश खन्ना के साथ अमिताभ ने 'आनंद' और 'नमक हराम' में दोस्ती को जीवंतता दी। शशि कपूर के साथ 'ईमान धरम' और 'सुहाग' जैसी फिल्मों में अमिताभ ने यही दोस्ती निभाई।

'जिंदगी ना मिलेगी दोबारा' में दिखी नए दौर की दोस्ती

धर्मेंद्र भी उन कलाकारों में हैं, जिन्होंने कई एक्टर्स के साथ फिल्मी दोस्ती का किरदार अदा किया। फिल्मों में धर्मेंद्र की दोस्ती शत्रुघ्न सिन्हा और विनोद खन्ना के साथ कई बार बनी। इनके अलावा अनिल कपूर-जैकी श्रॉफ, अक्षय कुमार-सुनील शेट्टी और संजय दत्त-गोविंदा की दोस्ती पर बनी फिल्मों को भी दर्शकों ने खूब पसंद किया।

दोस्ती और प्रेम त्रिकोण: दोस्ती और प्रेम त्रिकोण पर आधारित कई हिंदी फिल्में बनीं और सफल हुईं।

'शोले' में जय-वीरू की यादगार दोस्ती

दो दोस्तों की दोस्ती के बीच एक लड़की आ जाती है। फिर या तो गलतफहमी पनपती है या प्रेम त्रिकोण बन जाता है। क्लाइमैक्स में या तो गलतफहमी दूर हो जाती है या फिर एक दोस्त का त्याग सामने आता है। इस तरह की फिल्मों का चलन शायद राज कपूर, राजेंद्र कुमार की फिल्म 'संगम' से शुरू हुआ था। आगे चलकर इस तरह की कई फिल्में बनीं और सफल हुईं।

यादगार है 'सौदागर' की दोस्ती: 1991 में सुभाष घई ने फिल्मी दुनिया के दो दिग्गजों दिलीप कुमार और राज कुमार को दोस्ती की डोर में बांधा और फिल्म बनाई-सौदागर। इस फिल्म की गिनती दोस्ती पर आधारित श्रेष्ठ फिल्मों में होती है।

दिखे दोस्ती के कई रूप: हर दौर में दोस्ती के आधार पर बनाई गई फिल्मों में दोस्ती के अलग-अलग रूप नजर आते रहे हैं। 'दिल चाहता है' तीन दोस्तों, आकाश (आमिर खान), समीर (सैफ अली खान) और सिद्धार्थ (अक्षय खन्ना) की कहानी है, जो अपनी जिंदगी के अलग-अलग पड़ावों से गुजरते हुए दोस्ती के महत्व को समझते हैं। '3 इडियट्स' तीन इंजीनियरिंग छात्रों की कहानी है, जो अपनी पढ़ाई, करियर और जीवन के बारे में अलग-अलग दृष्टिकोण रखते हैं, पर उनकी दोस्ती बनी रहती है। 'जिंदगी न मिलेगी दोबारा' तीन दोस्तों की कहानी है जो बैचलर पार्टी के लिए स्पेन जाते हैं और वहां अपनी दोस्ती के नए आयाम ढूंढते हैं। बीते कुछ दशकों में ऐसी फिल्में भी बनाई गईं, जिनमें दोस्ती तो थी, पर फिल्म का केंद्रीय विषय कुछ और ही था। 'रंग दे बसंती', 'कुछ-कुछ होता है', 'दिल तो पागल है' और 'चश्मे बद्दूर' जैसी फिल्मों को इस श्रेणी में रखा जा सकता है। कहने का सार है कि दोस्ती पर फिल्म बनने का सिलसिला आज भी जारी है। जिसे दर्शक पसंद भी खूब करते हैं। *

जानकारी / सुनील कुमार महला

अब कम सुनाई देती है
झींगुरों की झांय-झांय !

बारिश के मौसम में ग्रामीण या पेड़-पौधों से भरे इलाकों में सूरज ढलते ही झींगुरों की झांय-झांय सुनाई देने लगती है। कभी-कभी तो दिन के समय भी जब बारिश के कारण मौसम में ठंडक होती है, वातावरण झांय-झांय की आवाज से गूंजने लगता है। लेकिन शहरों में झींगुरों के बारे में देखने-सुनने को नहीं मिलता। आखिर इसके पीछे कारण क्या हैं?

कम होने के कारण: बढ़ती आबादी, औद्योगिकीकरण, शहरीकरण, तीव्र विकास, ग्लोबल वार्मिंग के कारण जंगलों का घनत्व कम होता जा रहा है। इंसानी शोर बढ़ने से ही झींगुरों की झांय-झांय पर लगातार खतरा मंडरा रहा है। इस संबंध में कुछ समय पहले एक शोध के नतीजे बीएमसी इकोलॉजी एंड इवोल्यूशन जर्नल में प्रकाशित हुए थे। इसके मुताबिक इंसानों के बढ़ते शोर से न सिर्फ झींगुरों का संगीत मंद पड़ा है, बल्कि उनका जीवन काल भी घट गया है।

ऐसे उत्पन्न होती है आवाज: नर झींगुर अपनी विशेष आवाज (झांय-झांय) के लिए जाने जाते हैं। यह ऐसी ध्वनि होती है, जो उनके पंखों के घर्षण से उत्पन्न होती है, जिसे स्ट्रिड्यूलेशन कहते हैं। दरअसल, इस तरह की ध्वनि के दो उद्देश्य होते हैं। एक, यह मादा झींगुरों को आकर्षित करता है और दूसरा इसके जरिए अन्य नर झींगुरों के बीच क्षेत्रों को निर्धारित करते हैं। ये मुख्य रूप से रात में सक्रिय रहते हैं।

पारिस्थितिकी तंत्र में महत्वपूर्ण: झींगुर विभिन्न पारिस्थितिकी तंत्रों में मुख्य रूप से अपघटन, पोषक तत्वों के पुनर्चक्रण और कीट नियंत्रण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ये सड़ने वाले कार्बनिक पदार्थों को खाते हैं, जिससे पोषक तत्वों को वापस मिट्टी में मिलाने में मदद मिलती है। दूसरे शब्दों में कहें तो झींगुर मृत पौधों और जानवरों के अवशेषों को खाते हैं, जिससे वे छोटे टुकड़ों में टूट जाते हैं और हमारे पर्यावरण में अपघटन की प्रक्रिया में मदद करते हैं। अपघटन की क्रिया से झींगुर विभिन्न पोषक तत्वों को मिट्टी में या इस धरती पर वापस छोड़ते हैं। *

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक,रविवार 3 अगस्त 2025

मित्रता दिवस आज

बाकी सारे रिश्ते तो हमें जन्म से मिलते हैं, एक दोस्ती का रिश्ता हम खुद ही बनाते हैं। स्वार्थ से परे, सुख-दुख पर हमेशा साए की तरह मौजूद रहने वाला यह रिश्ता हमारे लिए सबसे अधिक मायने रखता है। भले ही समय के साथ इसका स्वरूप बदल गया हो लेकिन आज भी यह उतना ही मूल्यवान है।

सबसे प्यारा-अनमोल दोस्ती का रिश्ता

कवर स्टोरी
अंशु सिंह

इस दुनिया में तरह-तरह के लोग रहते हैं। कुछ हमारे परिवार के सदस्य होते हैं, कुछ रिश्तेदार। कुछ हमसे प्रेम करते हैं तो कुछ हमसे ईर्ष्या करते हैं। कुछ ऐसे भी लोग होते हैं, जो बिना किसी फायदे के जरूरत पड़ने पर हमारी हर संभव मदद करने को सदैव तत्पर रहते हैं। हमें जीवन का सही मार्ग दिखाते हैं। दुख और मुश्किल समय में साथ खड़े होते हैं। उन्हें ही हम दोस्त कहते हैं। यह दोस्ती हमारे आपसी विश्वास और आस्था पर टिकी होती है।

स्वार्थ से परे आत्मीय रिश्ता: किसी ने कहा है, 'मुझे अपने मित्रों के बारे में बताइए, मैं आपके व्यक्तिव के बारे में बता दूंगा।' वास्तव में आपके दोस्त किस तरह के हैं, वह काफी हद तक इस बात पर निर्भर करता है कि आपका जीवन में क्या लक्ष्य है? आपका चरित्र कैसा है, आपकी सोच कैसी है?

सच में, धन-दौलत तो बहुत से लोग कमा लेते हैं। लेकिन दोस्ती जैसा सच्चा धन हर कोई नहीं कमा पाता। इस दुनिया में हर इंसान को एक ऐसे शख्स की जरूरत होती है, जिसे वह अपनी दिल की बातें बेझिझक बता सके। इसलिए दोस्त वो होता है, जिस पर आंख बंद कर भरोसा किया जा सके। दोस्तों के बीच स्वार्थ का कोई स्थान नहीं होता। न ही दोस्ती किसी की जाति, पंथ या धर्म देखती है।

पुराणों-इतिहास में मित्रता: हिंदू पौराणिक कथाओं में मित्रता के कई आदर्श उदाहरण देखे जा सकते हैं। जैसे, भगवान श्रीकृष्ण और सुदामा, वानर राज सुग्रीव एवं भगवान श्रीराम, श्रीराम एवं विभीषण की मित्रता हमारे लिए आज भी आदर्श हैं। इतिहास पर नजर डालें तो 19वीं सदी के शुरुआती दौर में लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक और मोहम्मद अली जिन्ना बहुत अच्छे दोस्त हुआ करते थे। वे अकसर घर-सार्वजनिक स्थलों पर मिलकर अंग्रेजों को देश से खदेड़ने के तरीकों पर चर्चा करते थे। मुगल

काल में छत्रपति शिवाजी और तानाजी भी बचपन के दोस्त थे। बाल्यकाल से ही दोनों मुगलों के अधीन किलों पर विजय पाने की रणनीति बनाया करते थे। जैसे-जैसे दोनों बड़े हुए, शिवाजी ने तानाजी की मदद से कई लड़ाइयां जीतीं और तानाजी उनके योद्धा सेनापति बन गए। इस तरह उन्होंने आजीवन अपनी दोस्ती की मिसाल कायम की। उनकी दोस्ती इतिहास में अमर हो गई।

होता है मार्गदर्शक : दोस्ती का संबंध ही ऐसा होता है कि वे सदा एक-दूसरे के लिए मौजूद रहते हैं। अपने दोस्त का हित करने के लिए व्यक्ति उसकी नाराजगी भी झेलने को तैयार रहता है। एक सच्चा दोस्त हमेशा अपने दोस्त का सबसे बड़ा शुभचिंतक होता है, उसका मार्गदर्शक होता है। हो सकता है कि किसी समय कुछ देर के लिए अपने मित्र की बातें या कार्य आपको उचित न लगें। लेकिन कभी न भूलें कि सच्चा मित्र हर स्थिति में आपका हित ही चाहता है। अगर वह कोई कार्य करने से आपको रोकता है तो उसमें जरूर आपका हित ही होगा। हो सकता है उसका मनोभाव आपको कुछ समय बाद समझ में आए।

मित्रता पर भी पड़ा तकनीकी प्रभाव: पिछले दो-तीन दशकों में विभिन्न सामाजिक, सांस्कृतिक और तकनीकी कारणों से मित्रता में काफी बदलाव आया है। 20 वीं सदी तक दोस्ती खतों और आमने-सामने की मुलाकातों के जरिए कायम रहती थी। फिर टेलीफोन और बाद में इंटरनेट ने संपर्क बनाए रखना आसान बना दिया। इक्कीसवीं सदी में टेक्स्ट मैसेज, सोशल मीडिया और वीडियो कॉल के जरिए संवाद होने लगा। व्हाट्सएप, फेसबुक, इंस्टाग्राम और ट्विटर जैसे प्लेटफॉर्म ने तो दोस्ती बनाने और निभाने के तरीके को पूरी तरह बदल कर रख दिया। इनसे लोग दुनिया भर में एक-दूसरे से जुड़ सकते हैं। हालांकि इसमें ज्यादातर रिश्तों में गहराई नहीं होती। कह सकते हैं कि दोस्ती की परिभाषा व्यापक हो गई है। आज दोस्ती पारंपरिक बाधाओं को पार करते हुए अधिक विविध और समावेशी तरीकों से विकसित हो सकती है। बहरहाल, समय और दौर कोई भी हो, दोस्ती आज भी दो इंसानों के बीच सबसे प्यारा और अनमोल रिश्ता होता है। *

दोस्ती से बेहतर रहता है मानसिक स्वास्थ्य

पल्लवी प्रकाश
साइकोलॉजिस्ट -मोटिवेशनल कोच

अच्छे मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी दोस्ती का बहुत अधिक महत्व होता है। दोस्त, भावनाओं को व्यक्त करने, समस्याओं को साझा करने और सलाह लेने के लिए एक आत्मीय साथ प्रदान करता है। इस भावनात्मक समर्थन से तनाव, चिंता और उदासी सभी को कम किया जा सकता है। फ्रेंडशिप नेटवर्क का हिस्सा होने से व्यक्ति जुड़ाव और खुद को मूल्यवान महसूस करता है। यह अपनेपन की भावना मानसिक स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है और उसे अकेलेपन, अलगाव की भावनाओं से बचा सकती है। दोस्त नियमित व्यायाम, संतुलित आहार जैसी स्वस्थ आदतों को प्रोत्साहित करके और धूम्रपान या अत्यधिक शराब पीने जैसे हानिकारक आदतों से बचाकर व्यवहार को सकारात्मक रूप से प्रभावित कर सकते हैं।

बॉलीवुड में दोस्ती

हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में पिछले कुछ सालों में बहुत कुछ बदला है। एक ऐसी इंडस्ट्री जो अधिकतर बिजनेस बेनिफिट और स्वार्थ के लिए जानी जाती है। उस माहौल में भी कई स्टार्स की दोस्ती एक मिसाल की तरह है। जैसे, करीना-अमृता-मलाइका की एक दशक से भी ज्यादा पुरानी दोस्ती आज भी उतनी ही मजबूत और अटूट बनी हुई है। बॉलीवुड स्टार शाहरुख खान की बेटी सुहाना खान, अनन्या पांडे और शनाया कपूर बचपन की दोस्त हैं। अनन्या, शनाया को सोल सिस्टर कहती हैं। अभिनेता रणबीर कपूर और निर्देशक अयान मुखर्जी का ब्रोमांस इंडस्ट्री में बेहद चर्चित है। सलमान खान और अजय देवगन भी वर्षों से पक्के दोस्त हैं। इस बारे में अजय कहते हैं, 'सलमान और मैं एक ही समय पर इंडस्ट्री में आए थे। पिछले 25 सालों से हमारी दोस्ती बरकरार है।'

सेल्फ मोटिवेशन
राजयोगी बीके निकुंज जी

हमेशा साथ रहता है हमारा सच्चा मित्र

यह सही है कि आज के दौर में सच्चा मित्र मिलना बहुत कठिन है। बिना किसी स्वार्थ के हमेशा साथ रहने वाला सच्चा मित्र। ऐसे ही सच्चे मित्र की तरह ईश्वर भी हमेशा हमारे साथ रहता है।

जरूरत के वक्त जो साथ दे, वही सच्चा मित्र होता है। यह पुरानी कहावत आज भी उतनी ही सच है, जितनी वर्षों पहले थी। जीवन के किसी न किसी मोड़ पर हम सभी ने इसे अनुभव किया है, कभी किसी अजनबी से, तो कभी उस शख्स से जिससे हमें कोई उम्मीद नहीं थी। लेकिन आज, जब हमारे जीवन में रिश्तों से ज्यादा 'कांटेक्ट्स' हैं, और मित्र बस केवल स्क्रीन पर दिखाई देने वाले नाम बनकर रह गए हैं, तब यह सवाल जरूरी हो गया है कि मित्रता वास्तव में हमारे लिए क्या मायने रखती है?

हर रिश्ते से ऊपर: जब आप आंखें बंद करके खुद से यह पूछते हैं कि मेरे जीवन में कौन वास्तव में मायने रखता है? तो आपका ध्यान शायद उस व्यक्ति की ओर नहीं जाता, जिसने आपको योग्य सलाह दी। बल्कि उस व्यक्ति को मन याद करता है, जो उस समय चुपचाप आपके कंधे पर हाथ रखकर पास बैठा रहा, जब आपकी दुनिया बिखर रही थी। जी हां! मित्रता वही रिश्ता है, जो न खून के रिश्ते से बंधा होता है, न शर्तों पर टिका होता है। एक सच्चा मित्र आपको वैसे ही स्वीकार करता है, जैसे आप हो न कि जैसे वह आपको देखना चाहता है। शायद इसलिए ही परिवार या रिश्तेदार से ऊपर हम हमेशा मित्रता को रखते हैं क्योंकि यही एक ऐसा रिश्ता है, जो हम अपनी पसंद से चुनते हैं।

बनता है आत्मिक संबंध: एक सच्चा मित्र शायद हमसे हमारी पसंद की बात हमेशा कह न पाए, लेकिन उसकी बात सीधे दिल तक पहुंचती है और इसीलिए उस व्यक्ति के साथ हमें एक आत्मीयता सी महसूस होती है, जो न किसी तर्क पर टिकी होती है, न किसी प्रयोजन पर। जब यह जुड़ाव दोनों ओर से होता है, जब आत्माएं एक-दूसरे को पहचानें और सम्मान दें, तब एक सुंदर संबंध का जन्म होता है। एक ऐसा संबंध, जो जीवन भर और शायद उसके बाद भी बना रहता है।

सच्ची नहीं आभासी मित्रता: आज बदलते युग में मित्रता का अर्थ बदलता जा रहा है। आज हम सहकर्मी, सहपाठी, जिम के साथी या सोशल मीडिया फॉलोअर्स को भी मित्र कह देते हैं। लेकिन साथ रहना और दिल से जुड़ना इन दोनों में बड़ा फर्क है। फेसबुक फ्रेंड होना, इंस्टाग्राम पर जन्मदिन की बधाई देना, ये सब असली मित्रता नहीं है। सच्ची मित्रता वहां होती है, जहां भावनात्मक समानता होती है, दिल से दिल का रिश्ता होता है, जहां न अहं होता है और न किसी भी प्रकार की अपेक्षा।

सवाल उठता है कि तो कौन होता है सच्चा मित्र? एक ऐसा व्यक्ति जिसके समक्ष आप बिना किसी मुखौटे के अपने मूल रूप में रह सकें, बिना कुछ छुपाए, बिना कुछ साबित किए। जो आपके दोषों को जानकर भी आपका साथ न छोड़े। जो शब्दों से नहीं, मौन से भी दिल तक पहुंच जाए और एक हल्के से स्पर्श या दृष्टि से आपको यह जता दे 'मैं यहीं हूं तुम्हारे साथ।' आज के इस तेज रफ्तार जीवन में, सबसे दुर्लभ बात है, उपलब्धता। वर्तमान काल में ऐसा कोई है, जो बिना विचलित हुए बस आपकी बात सुने? है कोई ऐसा? आजकल तो सभी से ज्यादातर, 'थोड़ी देर बाद बात करते हैं', फिर से कॉल करता हूं', 'थोड़ा बिजी हूं' यही सब सुनने को मिलता है, जो भावनात्मक दूरी की नई भाषा बन चुके हैं। इसीलिए इस बात से कोई इंकार नहीं करेगा कि आज हम एक ऐसे दौर में जी रहे हैं, जहां रिश्ते भी सुविधाओं के अनुसार चलते हैं। जब जरूरत हो, तब याद किया जाता है। जब हम किसी के काम के नहीं रहते, तो भुला दिए जाते हैं।

ईश्वर होता है हमारा परममित्र: आज के समय में ऐसा मित्र मिलना मुश्किल है, जो बिना किसी अपेक्षा के, बिना किसी शर्त के साथ दे। मैंने अपने अनुभव में पाया कि सबसे स्थायी, सबसे निःस्वार्थ मित्रता मुझे इंसानों में नहीं, बल्कि किसी और में मिली, सर्व शक्तिमान परमात्मा में। जी हां, उस दिव्य सत्ता में जिसे आप भगवान, ईश्वर, खुदा, सर्वोच्च आत्मा या सिर्फ मेरा सबसे प्यारा मित्र कह सकते हैं। हम प्रार्थना में अकसर उसे पिता, माता, गुरु या मार्गदर्शक कह कर पुकारते हैं। लेकिन क्या कभी आपने उससे एक मित्र की तरह बात की है? बिना किसी औपचारिकता, बिना किसी रीति-नीति के, बस सीधे दिल से? एक बार कोशिश कीजिए। जैसे अपने सबसे करीबी दोस्त से आप बात करते हैं, वैसे ही उनसे भी करिए, बिना कोई डर, बिना संकोच। फिर देखना आप अंदर ही अंदर महसूस करेंगे एक ऐसी शांति, ऐसा सुकून, जो किसी मानवीय रिश्ते में नहीं मिलता। उसका प्रेम प्रदर्शन पर नहीं अपितु उपस्थिति पर आधारित है। बस उसे दिल से याद कीजिए और वो आपकी हर धड़कन में मौजूद मिलेगा। *

लाइफस्टाइल
शिखर चंद जैन

जिंदगी में अच्छे दोस्तों की अहमियत बहुत ज्यादा है, क्योंकि हम जो कुछ भी हैं अपने आस-पास के लोगों, अपनी संगत और माहौल की वजह से ही हैं। हमारे सपने, लक्ष्य, सोचने और काम करने का तरीका, रहन-सहन और जीने का अंदाज बहुत कुछ उन्हीं लोगों से प्रभावित होता है, जिनके साथ हम अपना ज्यादातर वक्त बिताते हैं। इसे मनोविज्ञानी लॉ ऑफ अट्रैक्शन कहते हैं। अमेरिकी व्यवसायी जिम रॉन ने कहा है कि आप उन 5 लोगों का एवरेज होते हैं, जिनके साथ आप हमेशा रहते हैं। इसलिए दोस्त बनाने में बहुत सावधानी बरतनी चाहिए।

जो देते हैं स्मार्ट सोशल सपोर्ट: हम जो कुछ करते हैं, उसमें प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से बहुत सारे लोगों का इंवॉल्वमेंट होता है। पर्सनल लाइफ हो या प्रोफेशनल लाइफ, अपने आर्थिक, मानसिक, सामाजिक और शारीरिक हितों के लिए हमें कुछ लोगों पर निर्भर होना पड़ता है, अच्छे दोस्त यह जरूरत पूरी करते हैं।

अच्छे दोस्त मिलना सौभाग्य की बात है। इससे जिंदगी गुलजार हो जाती है। इसलिए किसी को अपना घनिष्ठ दोस्त बनाने से पहले उसमें मौजूद कुछ क्वालिटीज के बारे में जरूर जान लेना चाहिए।

जिंदगी में बहुत जरूरी हैं ऐसे दोस्त

जो ज्यादा समझदार हों: महान दार्शनिक कन्फ्यूशियस ने कहा था, 'अगर आप अपने इनर सर्किल में सबसे स्मार्ट या बुद्धिमान व्यक्ति हैं तो आप एक गलत सर्किल में रह रहे हैं।' कहने का तात्पर्य यह है कि आपको खुद से ज्यादा सफल, सक्षम, समझदार और प्रतिष्ठित दोस्तों के बीच रहना चाहिए। इसलिए आप ऐसे लोगों को दोस्ती के लिए चुनें, जो आपकी सफलता और मानसिक सुकून में आपके साथी बन सकें।

जिनका साथ अच्छा लगे: मानसिक बीमारियों के प्रबल वर्तमान दौर में मन का सुकून बड़ी दुर्लभ चीज हो गई है। अधिकांश इंसान दुश्चिंता और अवसाद से घिरे रहते हैं। ऐसे में जिन लोगों के बीच रहकर आपको मानसिक सुकून मिलता हो, जिनके साथ हंसी-मजाक का दौर चलता हो, उन्हें अपनी जिंदगी का हिस्सा जरूर बनाएं।

जिनकी उपस्थिति में सहज महसूस करें: ऐसे दोस्त जिनकी उपस्थिति में आप सहज महसूस करें और अपने मन की बातें बिना लाग लपेट के खुलकर कह सकें, उनको साथ रखना चाहिए। ये ऐसे लोग होते हैं, जिनके कुछ कहने पर आपका ईगो हर्ट नहीं होता और आप कुछ कह दें तो ये भी दिल पर नहीं लेते। ये शॉक एब्जॉर्बर करने वाले लोग, जिनकी आपको जरूरत होती है।

जो बुरे वक्त में साथ खड़े रहते हों: हर व्यक्ति की जिंदगी में दो चार दोस्त ऐसे जरूर होने चाहिए, जो बुरे वक्त में उसके साथ खड़े रह सकें। बीमारी की स्थिति में सही डॉक्टर या अस्पताल तक पहुंचाना और तीमारदारी, दुख की घड़ी में

संबल प्रदान करने वाला और आर्थिक मुसीबत के वक्त पैसों की मदद करने वाले लोग निहायत जरूरी हैं। आपको भी ऐसे लोगों से अपने रिश्ते प्रगाढ़ रखने चाहिए।

जो आत्मविश्वास बढ़ाते हों: आप किसी नए प्रोजेक्ट पर काम करना चाहते हैं, कोई नया बिजनेस करना चाहते हैं या चैलेंजिंग जॉब ज्वाइन करना चाहते हैं तो शुरू-शुरू में हिचक रहती है। ऐसे में आप असफल लोगों से राय मांगेंगे तो वे आप को हतोत्साहित कर देंगे। वहीं सकारात्मक स्वभाव के दोस्त आपका आत्मविश्वास बढ़ाएंगे, पॉजिटिव सजेशन देंगे और आपको प्रेरणा देंगे। ऐसे लोगों से मेल मिलाप अवश्य रखें।

जो आपसे ईर्ष्या ना करते हों: कुछ लोग अपने इर्द-गिर्द वालों की तरक्की, खुशहाली और सुकून नहीं देख सकते। ये ईर्ष्यालु होते हैं और मौका मिलते ही टांग खींचते हैं। ऐसे लोगों से दोस्ती करने से दूर रहें। जो लोग आपकी सफलता को सराहते हैं और आपसे प्रेरणा या सलाह लेना चाहते हैं, उन्हें अवश्य अपने सर्किल में रखें। इनसे आप जीवन में कभी खुद को अकेला महसूस नहीं करेंगे। *

दोहे / राजश्री राठी

बरखा नर्तन करे

झंकृत वीणा हृदय की छेड़ रही अनुराग।
बरखा नर्तन यूं करे जैसे पद में राग।।
नैन बाट जोहत रहे भर-भर कर मनुहार।
बरखा का स्वागत करे हृदय कुसुम बन हार।।
बरखा छम-छम यूं करे ज्यूं पायल झनकार।
दुल्हन रूप धरा लिए सज सोलह सिंगार।।
गरजे घन-घन मेघ जब करते बंद किवाड़।
बैरन सी बरखा हुई मन को रही बिगाड़।।
बादरवा घनन गरजे मन मोरा घबराय।
पिया रहे परदेस में नैन नेह बरसाय।।
छम-छम बरखा जो हुई मन मे भरी उमंग।
आसमान में उड़ रही जैसे कोई पतंग।।

कहानी
विनय कुमार पाठक

राखी का तोहफा

बेईमानों से भरी इस दुनिया में भी बहुत से ऐसे ईमानदार हैं, जिनका मन विपन्नता में भी किसी के पड़े बैग में ढेर सारे पैसे देखकर भी नहीं डगमगाता। ऐसे ही एक कबाड़ बटोरने वाले गरीब इंसान की दिल को छूती कहानी।

एआई इमेज

राजेंद्र एक कबाड़ बीनने वाला है, वह रोज की तरह रेलवे स्टेशन पर कचरे के ढेर में अपने काम की चीजें तलाश रहा था। उसकी नजरें बेहद सतर्क थीं-प्लास्टिक की बोतलें, टीन के डिब्बे और अपने काम की अन्य चीजे, उसकी निगाहें तलाश रही थीं। इन्हें वह कबाड़ी को बेचकर कुछ पैसे कमा लेता था। उसने अपनी बोरी में ऐसी कई चीजें भर रखी थीं, लेकिन वह कुछ और सामान बटोरना चाह रहा था।

तभी राजेंद्र की नजर दूर पड़े एक भूरे रंग के हैंडबैग पर पड़ी। 'शायद किसी अमीर आदमी ने यूं ही फेंक दिया होगा।' राजेंद्र ने सोचा। उसे मालूम है, जो चीजें अमीरों के लिए बेकार होती हैं, वही किसी गरीब के लिए बहुत काम की होती हैं। उसे पहले भी कूड़े से एक जोड़ी अच्छे जूते मिले थे, जिसे वह खुद इस्तेमाल कर रहा था। यह बैग उसे कुछ ऐसा ही अवसर लग रहा था।

तेजी से चलकर राजेंद्र उस बैग तक पहुंचा। सौभाग्य से आस-पास कोई और रद्दी बीनने वाला नहीं था। बैग अच्छी हालत में था। बस उसका हैंडल टूटा हुआ था, जिसे कोई मोची आसानी से ठीक कर सकता था। राजेंद्र ने इधर-उधर देखा कि कोई देख तो नहीं रहा, फिर बैग के बीच वाला चेंबर खोला। अंदर देखा तो उसके होश उड़ गए-उसमें पांच सौ के नोटों की एक मोटी गड्डी थी। साथ ही एक क्रेडिट कार्ड और डेबिट कार्ड भी रखा दिखा। यह अप्रत्याशित दौलत देखकर राजेंद्र के मन में खुशी की लहर दौड़ गई। लेकिन दूसरे ही पल उसे अहसास हुआ कि कार्ड उसके किसी काम के नहीं हैं। राजेंद्र ने सुना था कि किसी और के कार्ड इस्तेमाल करने पर जेल हो सकती है। हो सकता है, यहां कहीं लगा सीसीटीवी कैमरा यह सब कवर कर रहा हो। उसका बेवजह फंसने का कोई इरादा नहीं था। एकाएक राजेंद्र के दिमाग में आया, हो सकता है इस बैग के मालिक को पैसों की बहुत जरूरत हो, दवाई या किसी और जरूरी काम के लिए। अपने मन के बोझ को दूर करने के लिए वह सीधे रेलवे स्टेशन जा पहुंचा। स्टेशन मास्टर के केबिन में जाकर बोला, 'साहब, यह बैग मुझे रेलवे ट्रैक के पास मिला था, जब मैं कबाड़ बीन रहा था।'

'ठीक है, जाकर उधर एक किनारे बैठ जाओ।' स्टेशन मास्टर ने कहा। वहां रूम में एक व्यक्ति बैठा हुआ था। वह चिंतित दिख रहा था।

'मिस्टर अजय, शायद यही वह बैग है, जिसकी आप तलाश कर रहे थे।' स्टेशन मास्टर ने उस व्यक्ति से पूछा।

'संभव है, मेरी कुलीग मीनाक्षी ने बताया था कि उसका ब्राउन बैग खो गया है। इसका डिटेल इससे मेल खाता है। उसमें आईडेंटिटी कार्ड, क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड और आज की सैलरी थी।' अजय ने जवाब दिया और राजेंद्र को थोड़ा संदेह की नजर से देखा।

'हां, इसमें पांच सौ के नोटों की मोटी गड्डी और दो कार्ड हैं।' राजेंद्र ने बताया।

'हमें इसकी पुष्टि करनी होगी।' स्टेशन मास्टर ने कहा और बैग खोलकर देखा। अंदर मीनाक्षी माथुर का ऑफिस पहचान पत्र और दोनों कार्ड मौजूद थे। नाम कार्ड पर स्पष्ट लिखा हुआ था।

'अजय जी, प्लीज मीनाक्षी जी को तुरंत फोन करें और बताएं कि उनका बैग मिल गया है, मेरे पास सुरक्षित है। आधार, वोटर कार्ड या पैन कार्ड लेकर आएं और सत्यापन करवा लें।' स्टेशन मास्टर ने कहा।

अजय ने तुरंत मीनाक्षी को कॉल किया। वह पहले से ही बहुत परेशान थी। कॉल उठाते ही बोली, 'मैं अभी आ रही हूं। आधे घंटे में पहुंच जाऊंगी। प्लीज उस सज्जन को रोकिए, जिन्होंने बैग लौटाया है। मैं उन्हें धन्यवाद देना चाहूंगी। मेरे लिए यह पैसा बहुत जरूरी है।'

'सर, अब मैं जा सकता हूं?' राजेंद्र ने पूछा।

'हां, आप जा सकते हैं। आपकी ईमानदारी सराहनीय है। रेलवे प्रशासन को मैं आपके लिए पुरस्कार की सिफारिश करूंगा। आप अपना नाम और पता नोट करवा दीजिए।' स्टेशन मास्टर ने कहा।

'भाई साहब, जरा रुक जाइए। बैग की मालकिन आने ही वाली हैं, वो आपको व्यक्तिगत रूप से धन्यवाद देना चाहती हैं।' अजय ने आग्रहपूर्वक कहा।

'ठीक है।' राजेंद्र ने कहा और अपना बोरा किनारे रखकर बैठ गया। करीब पैंतालीस-पचास मिनट बाद मीनाक्षी पहुंची, थोड़ी हांफती हुई।

'माफ कीजिए, ट्रैफिक बहुत था, इसलिए देर हो गई।' मीनाक्षी ने कहा। फिर अपना आधार कार्ड देकर प्रक्रिया पूरी की। स्टेशन मास्टर ने उसे बैग सौंप दिया।

'भाई साहब, मैं आपकी ईमानदारी के लिए आपको दिल से धन्यवाद देना चाहती हूं। आज मेरी सैलरी मिली थी, वह कुछ ही घंटों में गुम हो गई। भीड़ में ट्रेन से उतरते समय हैंडल टूट गया था। ढूंढने की बहुत कोशिश की, लेकिन नहीं मिला। मैं आपको कुछ देना चाहती हूं, इसलिए देर हो गई। क्या आपको पता है कि आज रक्षा बंधन है?' मीनाक्षी ने अपने पर्स से एक राखी निकाली और मुस्कुरा दी। राजेंद्र ने बिना झिझक अपना हाथ बढ़ा दिया। मीनाक्षी ने पूरे स्नेह से उसे राखी बांधी। राजेंद्र ने अपनी फटी हुई जेब से एक छोटा पर्स निकाला। उसमें केवल दस रुपए का एक नोट था। उसने उस नोट को निकाला और कहा, 'मेरे पास बस यही है।' 'भैया, आपको कुछ भी देने की जरूरत नहीं है। आपकी ईमानदारी ही मेरे लिए सबसे बड़ा तोहफा है।' मीनाक्षी ने कहा और अपने बैग की ओर इशारा किया, आगे बोली, 'मैं मिठाई नहीं ला पाई तो कृपया ये पैसे रख लीजिए। अपने लिए मिठाई खरीद लीजिएगा।' उसने बैग से पांच सौ के दो नोट निकाले और राजेंद्र को सौंप दिए।

राजेंद्र थोड़ा झिझका, लेकिन स्टेशन मास्टर और अजय ने उसे कहा, 'यह पैसा स्वेच्छा से दे रही हैं, इसे लेने में कोई बुराई नहीं है।' अंततः राजेंद्र ने पैसे ले लिए और कमरे से बाहर निकल गया।

'आज भी ऐसे नेक लोग हैं दुनिया में।' मीनाक्षी ने अजय से कहा। वह राजेंद्र को जाते हुए तब तक देखती रही, जब तक नजरों से ओझल नहीं हो गया। *